वर्षः 7- अंकः 58, मुंबई, गुरुवार, 13 अप्रैल, 2017 , मूल्यः1 रु. ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त

अब हर सच होगा उजागर

ईवीएम छेड़छाड़ पर चुनाव आयोग की खुली चुनौती

नई दिल्ली, ईवीएम में कथित छेड़छाड़ के आरोपों पर जवाब देने के लिए चुनाव आयोग अब खुलकर सामने आ गया है। आयोग ने मई के पहले सप्ताह से 10 मई के बीच वैज्ञानिकों, तकनीक के जानकारों और राजनीतिक दलों को ईवीएम को हैक करने की खुली चुनौती दे दी है। बता दें कि कांग्रेस की अगुवाई में देश के 13 विपक्षी दल बुधवार को देश के राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी से मिले थे, विपक्षी दलों ने राष्ट्रपति से ईवीएम में कथित छेड़छाड़ का मुद्दा भी उठाया था।

राष्ट्रपति से मुलाकात के बाद बाहर निकले कांग्रेसी नेता गुलाम नबी आजाद ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि ईवीएम से छेड़छाड़ के ताजा आरोप देश की चुनाव प्रक्रिया पर सवाल खड़े कर रहे हैं। इस प्रतिनिधिमंडल में सोनिया गांधी, राहुल गांधी, गुलाम नबी आजाद और डॉ। मनमोहन सिंह शामिल थे। इसके अलावा एके एंटनी, मल्लिकार्जुन खड़गे, अहमद पटेल, सत्यव्रत चतुर्वेदी जैसे कांग्रेस के बड़े नेता भी इस प्रतिनिधिमंडल में शामिल थे। जय प्रकाश नारायण, सतीश मिश्रा, डी। राजा ने भी राष्ट्रपति से मुलाकात की। **(शेष पृष्ठ 5 पर)**

MCD चुनाव में बीजेपी मार सकती है बाजी

नई दिल्ली, एमसीडी चुनाव में एक बार फिर बीजेपी बाजी मार सकती है। एबीपी न्यूज और सी वोटर सर्वे के मुताबिक बीजेपी को 36% वोटरों का समर्थन मिल सकता है और आम आदमी पार्टी (अअढ) पार्टी 26% वोटों के साथ दूसरे नंबर पर रह सकती है। कांग्रेस 17 फीसदी वोटों के साथ तीसरे नंबर पर खिसकती दिख रही है। सर्वे में सभी 272 वॉर्डों में 6,213 वोटरों से अप्रैल के पहले और दूसरे हफ्ते में बात की गई थी।

टउऊ चुनाव में किसे वोट देंगे?

इस सवाल पर लोगों ने अपनी राय रखी। बीजेपी को कुल 36% लोगों ने अपना वोट देने की बात कही। वहीं अअढ को 26 प्रतिशत और कांग्रेस को 17% लोग वोट देने की बात कही।

जाधव को फांसी की सजा, पाक मीडिया ने पूछा-कहीं जल्दबाजी तो नहीं हुई

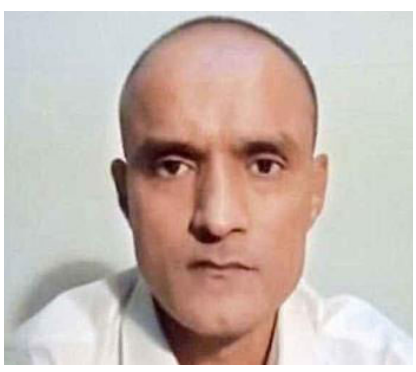

इस्लामाबाद, भारतीय नागरिक कुलभूषण जाधव को पाकिस्तान की सैन्य अदालत द्वारा फांसी की सजा सुनाने पर पड़ोसी देश में भी अलग-अलग राय सामने आने लगी है। मशहूर पाकिस्तानी समाचार पत्र 'द डॉन' ने अपने संपादकीय में लिखा है कि इससे दोनों देशों के बीच परोक्ष कार्रवाई का दौर शुरू हो सकता है। एक अन्य समाचार पत्र ने आश्चर्य जताते हुए पूछा है कि कहीं पाक सेना ने जाधव को फांसी की सजा देने में जल्दबाजी तो नहीं की है। डॉन ने अपने संपादकीय में कहा कि भारत तथा पाकिस्तान के बीच जासूसों को लेकर आरोप-प्रत्यारोप सामने आते रहते हैं। **(शेष पृष्ठ 5 पर)**

पाकिस्तान NSA नासिर जंजुआ का बयान, भारत और पाकिस्तान हमेशा दुश्मन बने नहीं रह सकते

इस्लामाबाद, पाकिस्तान के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार नासिर जंजुआ ने कहा है कि भारत और पाकिस्तान हमेशा दुश्मन नहीं बने रह सकते हैं और दोनों पड़ोसी मुल्कों को परस्पर संवाद एवं अपने विवादों को सुलझाने की आवश्यकता है। **(शेष पृष्ठ 5 पर)**

संसद में बोलीं जया बच्चन गाय को बचा रही सरकार, महिलाओं पर हो रहे अत्याचार

नई दिल्ली, बजट सत्र के आखिरी दिन राज्यसभा में पं। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सुरक्षा का मुद्दा उठा। इस मुद्दे पर सदन में हंगामा भी हुआ। वहीं इस दौरान एसपी सांसद जया बच्चन महिला सुरक्षा को लेकर एक बार आक्रामक तेवरों में नजर आईं। उन्होंने महिलाओं की सुरक्षा का मुद्दा उठाया और सरकार से इस दिशा में ठोस कदम उठाने की अपील की।

'गाय बचा रहे, महिलाओं को भी बचाओ'

जया बच्चन ने सदन में सरकार पर तंज कसा। उन्होंने कहा, 'महिलाओं की सुरक्षा के लिए कुछ बड़े कदम उठाने की जरूरत है। आप गायों को बचाने के लिए कदम उठा रहे हैं, लेकिन महिलाओं पर हो रहे अत्याचार कम नहीं हो रहे।' जया बच्चन के इस बयान का सदन में स्वागत किया गया। कई सांसदों मेज थपथपा कर उनकी बात का समर्थन किया। **(शेष पृष्ठ 5 पर)**

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

जाली चेक से करोड़ों की धोखाधड़ी

मुंबई, साउथ डिस्ट्रिक्ट पुलिस ने जाली चेक से लाखों रुपये की नकदी दूसरे अकाउंट में ट्रांसफर करने वाले धोखाधड़ी के इंटरस्टेट रैकेट का पदार्फाश किया है। पुलिस ने रैकेट में शामिल जिन पांच लोगों को अरेस्ट किया। उनकी पहचान गौरव कुमार गोयल (34), आशीष कुमार पराशर उर्फ किशल्य किशोर (28), अमरजीत सिंह (47), प्रीतम दास (54) और सुनील शर्मा (42) के रूप में हुई। पुलिस ने आरोपियों के पास से लैपटॉप, प्रिंटर, पेपर कटर, मैग्नीफाइड ग्लास, 45 फर्जी चेक के अलावा एक दर्जन से ज्यादा बैंकों के 81 अन्य चेक बरामद किए। पुलिस अफसरों का कहना है कि रैकेट का मास्टर माइंड चिराग चौधरी है। उसके पिता पेशे से सीए हैं। गिरफ्तारी से बचने के लिए वह अपने पिता के साथ अमेरिका भाग गया।

अडिशनल डीसीपी (साउथ) चिन्मय बिश्वास ने बताया कि हौजखास इलाके में सेफ वॉटर नेटवर्क इंडिया नाम से एक एनजीओ है। इस एनजीओ को गुलमोहर पार्क स्थित पंजाब नेशनल बैंक में अकाउंट है। एनजीओ की तरफ से 12 मार्च को हौजखास थाने में कंप्लेंट दर्ज कराई गई कि उनके अकाउंट से 95 लाख रुपये हरियाणा में किसी फर्म के अकाउंट में ट्रांसफर हो गए। यह रकम जिस चेक से ट्रांसफर की गई, उस नंबर का चेक भी उन्हीं के पास है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने धोखाधड़ी सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर तफ्तीश शुरू कर दी। पूरे मामले का खुलासा करने के लिए एसीपी आरएस पठानिया की देखरेख में एसआईटी का गठन किया गया। टीम में इंस्पेक्टर संजय शर्मा, रामफूल, राकेश कुमार, अजीत कुमार और इंस्पेक्टर आनंद स्वरूप को शामिल किया गया।

पुलिस टीम ने सबसे पहले उस अकाउंट होल्डर की तलाश की, जिसके अकाउंट में गुलमोहर पार्क स्थित पीएनबी की ब्रांच से यह रकम ट्रांसफर हुई थी। तफ्तीश में पुलिस को पता चला कि रकम हरियाणा निवासी अमरजीत सिंह के अकाउंट में ट्रांसफर हुई थी। पुलिस ने सबसे पहले अमरजीत को अरेस्ट किया। पूछताछ में अमरजीत ने रैकेट से जुड़े बाकी लोगों के नामों का खुलासा कर दिया। पूछताछ में उसने पुलिस को बताया कि यह चेक उसे गौरव कुमार उर्फ राजीव गुप्ता ने दिया था। पुलिस ने सेक्टर 62 नोएडा से गौरव गुप्ता को अरेस्ट कर लिया। पुलिस ने उसके पास से 72 फर्जी चेक जब्त किए। इसके अलावा पुलिस ने उसके पास से कुछ स्टैंप भी बरामद की। इमनें से कुछ स्टैंप पर जिला परियोजना सर्व शिक्षा अभियान हरिद्वार, हिलवुड अकादमी और एसबीआई बैंक के मैनेजर की स्टैंप भी शामिल है। पुलिस ने जब राजीव गुप्ता से पूछताछ की तो उसने रैकेट में शामिल कुछ और आरोपियों के नामों का खुलासा किया। पुलिस ने एक एक करके शानू उर्फ आशीष ठाकुर को द्वारका से धर दबोचा। पुलिस ने उसके पास से भी 19 फर्जी चेक बरामद किए।

पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि उन्हें फर्जी चेक चिराग चौधरी उपलब्ध कराता था। उसे ही इस गैंग का मास्टर माइंड बताया जा रहा है। कुछ समय पहले तक वह करोल बाग इलाके में एक रेस्टोरेंट चलाता था। उसके पिता नवीन चौधरी पेशे से सीए हैं। गिरफ्तारी के डर से वह पिता के साथ अमेरिका चला गया। वह रजापुर कला रोहिणी का रहने वाला है। पुलिस अफसरों ने बताया कि आरोपियां के पास से जो चेक बरामद किए गए, उनमें पीएनबी, एसबीआई, एचडीएफसी, बैंक ऑफ बड़ौदा, एक्सिस, बैंक ऑफ इंडिया, आईसीआईसीआई, कैनरा, यूनियन बैंक, यश बैंक और करुर वैश्य सहित अन्य कई बैंकों के चेक शामिल हैं। धोखाधड़ी का यह रैकेट न केवल दिल्ली, बल्कि मुंबई, डिब्रूगढ, चंडीगढ़ और कोयंबटूर सहित अन्य राज्यों में भी चल रहा था। पुलिस अफसरों का कहना है कि इस केस में अभी कुछ और गिरफ्तारियां हो सकती है।

आईआईटी बॉम्बे से निकला इंटरनेट अब जोड़ेगा देश के हर गांव को!

मुंबई, देश के हर गांव में बिना ऑप्टिक फाइबर के जाल के इंटरनेट पहुंचाने का सपना आईआईटी बॉम्बे के छात्रों ने पूरा कर दिया है। 5 सालों की मेहनत के बाद भारत के गांव ब्रॉडबैंड नेटवर्क से जुड़ने का सपना देख सकते हैं। दुनिया ने इस प्रयोग को सराहा है। MOZILLA इंटरनेट की एक प्रतियोगिता में 27 देशों की 100 परियोजनाओं को पछाड़ते हुए ग्राम मार्ग नाम के इस प्रोजेक्ट ने पहला स्थान जीता। आईआईटी बॉम्बे की कोशिश थी इंटरनेट के जरिये शहर से ग्राम मार्ग तक पहुंचने की, मेहनत शुरू हुई 2012 में। फैकल्टी अफेयर्स के डीन प्रोफेसर अभय करंदीकर ने बताया कि उन्होंने अपने अनुसंधान में पाया कि दूरदर्शन के पास टीवी व्हाइट स्पेस का स्पेक्ट्रम खाली पड़ा हुआ है, जिसका वो इस्तेमाल नहीं कर रहे। फिर स्पेक्ट्रम को इस्तेमाल करने के लिए तैयार हुआ एक छोटा सा वाईफाई उपकरण TVWXS डिवाइस जिसने सपनों को पंख दे दिये। ये डिवाइस IYEEE 802 11 a/b/g/ वायरलेस बोर्ड है जो आरएफ कार्ड से जुड़ा है। ये कार्ड 2 4 GYHz फ्रीक्वेंसी को TV

UHFY में बदल देता है, जिन्हें TV White Space से जोड़ कर, हर गांव में बेहद कम खर्च और बगैर बड़े तकनीकी तामझाम के इंटरनेट पहुंचाया जा सकता है। सबसे बड़ी बात इन उपकरणों को सोलर पैनल से बिजली मिलती है। इस परियोजना की सबसे बड़ी चुनौती थी ईंधन की वजह से होने वाले ऑपरेशनल खर्चों को रोकना। 25 छात्रों की टीम दिन रात इसके लिये मेहनत कर रही थी। फिलहाल इस योजना को 25 गांवों में आजमाया जा चुका है, दावा है कि इससे कम खर्चे में 5जी भी इस्तेमाल में लाया जा सकता है। इस प्रोजेक्ट से जुड़े जसप्रीत का कहना है कि वो चाहते हैं शोध से इसे और सस्ता बनाया जाए ताकि हर गांव में इंटनरेट लोगों की पहुंच में हो। वहीं परियोजना में आई दिक्कतों के बारे में मेघना ने कहा कि फ्रीक्वेंसी के बारे में जानकारी जुटाना तक मुश्किल था, जो हमने आरटीआई के जरिये हासिल किया। उसके बाद गांव के लोगों को समझाना भी एक चुनौती थी। इस प्रोजेक्ट को ब्रसेल्स में हुए इनोवेशन चैलेंज में 82 लाख का इनाम मिला है। टीम इस रकम का इस परियोजना को और बेहतर बनाने में इस्तेमाल करेगी। इस परियोजना को पब्लिक प्राइवेट पंचायत पार्टनरशिप मॉडल के तहत डेवलप किया जाएगा। कोशिश है देश के 6,40,000 गांवों को इसके तहत जोड़ने की, ताकि डिजिटल इंडिया के सपने को हकीकत में बदला जा सके।

मुंबई और गोरखपुर के बीच समर स्पेशल ट्रेन चलाने का ऐलान

मुंबई, गर्मी की छुट्टियों के दौरान रेल यात्रियों की सुविधा के लिए मुंबई और गोरखपुर के बीच एक समर स्पेशल ट्रेन चलाने का ऐलान किया गया है इस स्पेशल ट्रेन का नंबर 01047/01048 होगा, और ये छत्रपति शिवाजी टर्मिनल मुंबई और गोरखपुर के बीच चलेगी इस ट्रेन के 4 फेरे होंगे 01047/01048 छत्रपति शिवाजी टर्मिनल मुंबई-गोरखपुर-छत्रपति शिवाजी टर्मिनल मुंबई समर स्पेशल (04 फेरे)

ट्रेन नंबर 01047 छत्रपति शिवाजी टर्मिनल मुंबईझगोरखपुर समर स्पेशल ट्रेन 14 और 18 अप्रैल को मध्यरात्रि 00 20 बजे प्रस्थान करके अगले दिन पूर्वाह्न 10 50 बजे गोरखपुर पहुँचेगी वापसी की दिशा में ट्रेन नंबर 01048 गोरखपुर-छत्रपति शिवाजी टर्मिनल मुंबई 15 और 19 अप्रैल को दोपहर 2 00 बजे प्रस्थान करके अगले दिन रात्रि 11 55 बजे छत्रपति शिवाजी टर्मिनल मुंबई पहुंचेगी

छत्रपति शिवाजी टर्मिनल मुंबई-गोरखपुर-छत्रपति शिवाजी टर्मिनल मुंबई समर स्पेशल में 15 द्वितीय श्रेणी शयनयान और दो जनरल सह सामानयान लगाए जाएंगे यह समर स्पेशल ट्रेन रास्ते में दादर, ठाणे, कल्याण, इगतपुरी, नासिक रोड, भुसावल, खंडवा, इटारसी, जबलपुर, कटनी, सतना, माणिकपुर, छिवकी, वाराणसी, औड़िहार, मऊ, भटनी और देवरिया सदर स्टेशनों पर दोनों दिशाओं में ठहरेगी

ट्रान्स हार्बर लाइन के ठाणे एवं वाशी/नेरूल स्टेशनो के बीच विशेष ट्राफिक ब्लॉक

राधिका यादव

मुंबई। मध्य रेल के ट्रान्स हार्बर लाइन के ठाणे एवं वाशी/नेरूल स्टेशनो के बीच दिनांक 13.04.2017 तथा 14.04.2017 (दो दिन) को 12.35 बजे से 14.05 बजे तक अप तथा डाऊन ट्रान्स हार्बर लाईन पर ट्रैक की मरम्मत हेतु ट्राफिक ब्लाक परिचालित किया जायेगा। ब्लाक के दरम्यान ट्रान्स हार्बर लाईन की सेवा निरस्त रहेगी। ब्लाक के परिणाम स्वरुप निम्नानुसार होगा।

दिनांक 13.4.2017 तथा 14.4.2017 को डाऊन ट्रान्स हार्बर लाइन की सेवाए रद्द रहेगी।

1) ठाणे से छूटने वाली वाशी लोकल 12.12 बजे, 12.40 बजे, 13.01 बजे, 13.25 बजे एवं 13.57 बजे

2) ठाणे से छूटने वाली नेरूल लोकल 12.20 बजे, 13.10 बजे एवं 13.37 बजे

3) ठाणे से छूटने वाली पनवेल लोकल 12.52 बजे, 13.18 बजे एवं 14.05 बजे

दिनांक 13.4.2017 तथा 14.4.2017 को अप ट्रान्स हार्बर लाइन की सेवाए रद्द रहेगी।

1) वाशी से छूटने वाली ठाणे लोकल 12.21 बजे, 12.49 बजे, 13.18 बजे, 13.40 बजे एवं 14.02 बजे

2) नेरूल से छूटने वाली ठाणे लोकल 12.10 बजे, 12.31बजे, 13.00 बजे एवं 13.50 बजे

3) पनवेल से छूटने वाली ठाणे लोकल 12.18 बजे एवं 13.04 बजे

ब्लॉक अवधि के दरम्यान ट्रान्स हार्बर लाइन के यात्रियों को वाया हार्बर/मेन लाइन होकर यात्रा करने की अनुमति प्रदान की गई है। यात्रियों से निवेदन है कि रेलवे प्रशासन को सहयोग दे।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-दिलशाद एस खान द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:9619102478 /9769659975 कार्यकारी संपादक - सी हरीश
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सिटी हलचल

मुंबई, गुरुवार
13 अप्रैल, 2017

नाबालिग को सजा हुई थी तीन साल की, जेल में रहना पड़े आठ साल

मुंबई, विडंबना देखिए एक नाबालिग आरोपी को 3 साल की सजा काटनी थी परंतु उसे निचली अदालत के फैसले के चलते 8 साल जेल में रहना पड़ा यानी 5 साल ज्यादा। हत्या के इस आरोपी को खुद को नाबालिग साबित करने में आठ साल लग गए और इस दौरान उसे अपना जीवन सलाखों के पीछे बिताना पड़ा।

घटना के समय 2010 में आरोपी की उम्र 17 साल 10 महीने थी। यदि तब उसकी यह उम्र मान ली जाती तो वह बाल न्याय कानून के तहत अधिकतम तीन साल की सजा भुगतकर जेल से बाहर आ सकता था। मंगलवार को न्यायमूर्ति मोरे व न्यायमूर्ति प्रभुदेसाई की खंडपीठ के सामने नाबालिग आरोपी के आवेदन पर सुनवाई हुई।

आरोपी के वकील विजय हिरेमठ ने कहा कि निचली अदालत ने मेरे मुवक्किल के जन्म प्रमाणपत्र व स्कूल लिविंग सर्टिफिकेट व दूसरे सबूतों पर गौर करने के बाद उसे नाबालिग मान लिया है। वह 2010 से जेल में है।

बाल न्याय कानून के मुताबिक नाबालिग आरोपी को तीन साल से अधिक जेल की सजा नहीं हो सकती। इस लिहाज से मेरे मुवक्किल ने निर्धारित सजा से क-ाफी ज्यादा सजा जेल में भोग ली है। इस बात को जानने के बाद खंडपीठ ने नाबालिग आरोपी को तुरंत जेल से रिहा करने का आदेश दिया।

क्या है मामला

नाबालिग आरोपी को डोगरी इलाके में संदिग्ध चोर की पिटाई करने के मामले में चार लोगों के साथ गिरफ्तार किया गया था। पिटाई के बाद चोर की मौत हो गई थी।

सत्र न्यायालय ने इस मामले में सभी आरोपियों को वर्ष 2012 में आजीवन कारावास की सजा सुनाई। सजा के इस फैसले के खिलाफ आरोपियों ने बांबे हाईकोर्ट में अपील की।

इस दौरान हाईकोर्ट ने पाया कि निचली अदालत ने मामले से जुड़े गवाहों के बयान को ठीक तरह से नहीं सुना है। इसलिए मामले को दोबारा सत्र न्यायालय में भेजा गया। इस दौरान नाबालिग आरोपी ने अदालत के सामने दावा किया कि वह नाबालिग है।

शिवसेना को किसानों से नहीं हवाई यात्रा से प्रेमः विखे पाटील

मुंबई, विधानसभा में विरोधी पक्ष नेता राधाकृष्ण विखे पाटील ने शिवसेना पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उन्हें हवाई यात्रा से प्रेम है। उनकों किसानों से कोई प्रेम नहीं, अन्यथा वे अपने सांसद के हवाई यात्रा की लड़ाई नहीं लड़ते, वे किसानों के कर्जमाफी की बात संसद उठाते। विखे पाटील ने आरोप लगाया कि शिवसेना क्या बीजेपी को भी किसानों से कोई लेना देना नहीं है? कर्ज के बोझ तले दबे किसान आत्महत्या कर रहे हैं। इसकी कोई परवाह सरकार को नहीं है।उन्होंने कहा कि शिवसेना अपनी पार्टी के सांसद गायकवाड के हवाई यात्रा के लिए संसद में आवाज उठा बुलंद कर सकते हैं, लेकिन राज्य के किसानों की समस्या और कर्ज के बोझ तले दबे किसानों की आवाज तक नहीं उठाया।

आम सहमति के बाद ही चुनावी चंदे के कानून में संशोधन करेगी केंद्र सरकार

मुंबई, भाजपा-नीत एनडीए के घटक दलों की बैठक में राजनीतिक दलों के चुनावी चंदे में पारदर्शिता लाने के मुद्दे पर विस्तृत चर्चा हुई। केंद्र सरकार सभी दलों की आम सहमति के बाद ही इससे जुड़े कानून में संशोधन करेगी। बैठक में देशभर की पंचायतों, विधानसभाओं व संसद के चुनाव एक साथ कराने के मुद्दे पर भी चर्चा हुई।

नई दिल्ली में आयोजित एनडीए की बैठक में हिस्सा लेकर मुंबई लौटे रासपा प्रमुख व राज्य के पशुपालन मंत्री महादेव जानकर ने मंगलवार को दैनिक भास्कर से बातचीत में यह जानकारी दी। बताया कि केंद्र सरकार चुनावी चंदे के लिए बॉन्ड सिस्टम लागू करने को लेकर गंभीर है। पीएम मोदी चाहते हैं कि राजनीतिक दलों को मिलने वाले चंदे में पारदर्शिता आए।

IRS ऑफिसर ने फ्री स्टाइल में वकील को धुना, बाल पकड़ घूसों से की पिटाई

मुंबई, शहर के सीएसटी रेलवे स्टेशन पर मंगलवार दोपहर दो महिलाएं आपस में भीड़ गईं। इनके बीच फ्री स्टाइल में जमकर मारपीट हुई। एक महिला कर्मचारी ने दूसरी के बाल पकड़े और फिर जमकर उसे पीटा। इनकी लड़ाई का वीडियो पास खड़े एक शख्स ने अपने मोबाइल फोन से तैयार किया और वायरल कर दिया। दोनों हैं रेलवे कर्मचारी..

- इस वीडियो को मुंबई के एड-वोकेट सैयद एजाज अब्बास ने अपने फेसबुक पेज पर पोस्ट कर यह पूरी कहानी शेयर की।
- एजाज के मुताबिक, वीडियो में पिटाई करती नजर आ रही महिला का नाम स्वाति सिन्हा है। वे सेंट्रल रेलवे मुख्यालय में एक आईआरएस ऑफिसर हैं।
- वहीं जमीन पर बैठ कर पिटती नजर आ रही महिला का नाम डेलिला फर्नांडिस है। वे सेंट्रल रेलवे ग्रिएवांस सेल में एडवोकेट हैं।

एक दूसरे के खिलाफ केस दर्ज करवाया

- मंगलवार को दोनों के बीच किसी बात को लेकर पहले बहस हुई। मामला इस कदर बढ़ा कि नौबत मारपीट तक पहुंच गई।
- स्वाति ने डेलिला के बाल पकड़ कर उन्हें फर्श पर बैठा दिया और फिर उनपर घूसों से प्रहार करने लगी।
- महिला कर्मचारी आपस में भिड़ी हुई थी और उनकी मारपीट का तमाशा ऑफिस के अन्य स्टाफर खड़े होकर देख रहे थे।
- दोनों को मारपीट करता देख एक महिला रेलवे कांस्टेबल ने उन्हें पकड़ा और किसी तरह एक दूसरे से अलग करवाया।
- दोनों ने मुंबई के माता रमाबाई पुलिस स्टेशन में एक दूसरे के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई है। पुलिस ने बुधवार को दोनों को पूछताछ के लिए पुलिस स्टेशन बुलाया है।
- सीएसटी स्टेशन की एडमिन बिल्डिंग के फिफ्थ फ्लोर पर हुई इस घटना के बाद पुलिस ने आईपीसी की धारा 323 के तहत केस दर्ज किया है।

अमित शाह करेंगे सावरकर सम्मेलन का उद्घाटन

बीजेपी अध्यक्ष अमित शाह 21 अप्रैल को 29वें सावरकर साहित्य सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। तीन दिवसीय सम्मेलन पहली बार ठाणे में आयोजित कराया जा रहा है और स्वतंत्र वीर सावरकर अभ्यास मंडल, सावरकर दर्शन प्रतिष्ठान और स्वतंत्र वीडी सावरकर प्रतिष्ठान 21 से 23 अप्रैल तक संयुक्त रुप से इस सम्मेलन का आयोजन कर रहे हैं। सावरकर दर्शन प्रतिष्ठान के सचिव रविंद्र साठे ने आज यहां मीडिया को संबोधित करते हुये कहा कि इस सम्मेलन में हिंदुत्व विधारधारा की शिक्षाओं से संबंधित संगोष्ठि, पैनल चर्चाएं, प्रदर्शनियां, नाटक आदि भी होंगे। साहित्य के क्षेत्र में जाने-पहचाने व्यक्ति रमेश पटांगे सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे। दर्जनों प्रतिष्ठित वक्ता सावरकर के जीवन और काम पर व्याख्यान देंगे।

आवश्यक सूचना

पाठकों को सूचित किया जाता है कि **'दैनिक मुंबई हलचल'** के नाम पर अगर कोई भी व्यक्ति आपसे किसी भी तरह का 'व्यवहार' करता है तो इसकी पुष्टि के लिए इस नंबर पर संपर्क कर लें।।
(9619102478)

आवश्यक है

'दैनिक मुंबई हलचल' अखबार के लिए दक्षिण मध्य मुंबई, बांद्रा, कुर्ला, गोवंडी, अंधेरी, मालाड, दहिसर, ठाणे, मीरा रोड इत्यादि अनेक क्षेत्रों से अंशकालीन संवाददाताओं की आवश्यकता है तुरतं संपर्क करें कॉल करें समय (3 से 6 बजे)
(9619102478)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

सख्ती दिखाने का समय

पाकिस्तानी सैन्य अदालत द्वारा सामान्य नियम-कानूनों और अंतरराष्ट्रीय परंपराओं को धता बताते हुए भारतीय नागरिक कुलभूषण जाधव को जासूसी के आरोप में मौत की सजा सुनाने के खिलाफ देश भर में तीखी प्रतिक्रिया होनी ही थी। संसद में सभी राजनीतिक दलों की एकजुटता भी वक्त की मांग थी। यह अच्छा हुआ कि विदेश मंत्री और गृहमंत्री की ओर से पाकिस्तान को न केवल सख्त शब्दों में चेताया गया, बल्कि कुलभूषण जाधव को बचाने के लिए सभी विकल्प इस्तेमाल करने का भी भरोसा दिलाया गया। इस सिलसिले में परिपाटी से हटकर कदम उठाने के भी संकेत दिए गए और संयुक्त राष्ट्र के समक्ष पाकिस्तान की पोल खोलने के भी। निःसंदेह यह सब घटनाक्रम आम जनता और साथ ही कुलभूषण जाधव के परिवार को ढांढस बंधाने वाला है, लेकिन इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि पाकिस्तान झूठ का सहारा लेने के साथ ही ढिठाई पर भी आमादा दिख रहा है। वह मनमाने तरीके से काम करने वाली अपनी सैन्य अदालत की कारस्तानी का बचाव करने के साथ ही यह भी प्रदर्शित कर रहा है जैसे कुलभूषण जाधव को फांसी की सजा उसकी ओर से आतंकवाद के खिलाफ उठाया गया कदम है। पाकिस्तान के फरेब को बेनकाब करने की कोशिश में यह ध्यान रखा जाना आवश्यक है कि यह एक ऐसा देश है जो नित नए बहाने बनाने और उनके जरिये दुनिया की आंखों में धूल झोंकने में माहिर है। स्पष्ट है कि भारत को अपनी उंगली टेढ़ी करने के लिए तैयार रहना चाहिए और इस क्रम में शठे शाठ्यम समाचरेत की उक्ति पर अमल करने में भी संकोच नहीं करना चाहिए। कभी-कभी दुष्ट के साथ दुष्टता का व्यवहार करना आवश्यक हो जाता है।

इसमें संदेह है कि पाकिस्तान की चौतरफा निंदा-भत्र्सना, संसद के भीतर-बाहर राजनीतिक एकजुटता अथवा उसके खिलाफ कोई प्रस्ताव पारित करने से उसकी सेहत पर कोई असर पड़ेगा। हैरत नहीं कि वह इन सब गतिविधियों के जवाब में अपने यहां भारत विरोधी उन्माद पैदा करने की कोशिश करे। वैसे भी यह उसके लिए बहुत आसान काम है। पाकिस्तान के प्रति अपनी नाराजगी से दुनिया को जोर-शोर से परिचित कराने में हर्ज नहीं, लेकिन इसके साथ ही कुछ ऐसे कदम उठाने भी आवश्यक हैं जिससे वह कुलभूषण जाधव के मामले में अपने फैसले पर नए सिरे से विचार करने के लिए विवश हो। ऐसे कदम उठाते समय इसकी परवाह नहीं की जानी चाहिए कि पाकिस्तान से द्विपक्षीय रिश्ते कितने बिगड़ जाएंगे, क्योंकि वे तो पहले से ही बिगड़े हुए हैं। यह समझने की जरूरत है कि अगर पाकिस्तान को कूटनीतिक रिश्तों की तनिक भी चिंता होती तो वह फर्जी अदालती प्रक्रिया का सहारा लेकर कुलभूषण जाधव को फांसी की सजा नहीं सुनाता। यह ठीक नहीं कि हमारे नीति-नियंता खराब से खराब हालात में भी पाकिस्तान से संबंध सुधार की ललक दिखाते रहते हैं।

सुविचार

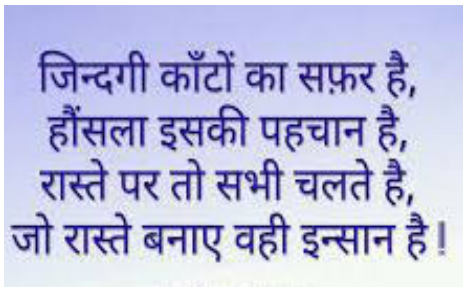

एक नए समाज का निर्माण

भारतीय समाज और राजनीति के लिहाज से 1990 के दशक के अंत में एक बड़ी घटना घटित हुई। यह घटना मंडल आयोग की सिफारिशों को लागू किए जाने के तौर पर सामने आई थी। इस घटना ने समाज में एक उबाल सा ला दिया था। समुद्र मंथन की तरह का एक सामाजिक मंथन हुआ, जिसमें अमृत भी निकला और विष भी। अमृत और विष का प्रतीक इसकी पक्षधर और विरोधी शक्तियां बनीं। मंडल आयोग की सिफारिशों के लागू होने के बाद समाज में जहां पिछड़ी और दलित जातियों में आगे बढ़ने का नया विश्वास पैदा हुआ वहीं इसके विरुद्ध में खड़ी सामाजिक ताकतों में निराशा का भाव पैदा हुआ। समाज एक तरह से दो भागों में बंट गया। इसे यूं भी कह सकते हैं कि वह कई भागों में विभाजित हो गया। जातियों में आपसी कलह, टकराहट, हिंसा एवं संघर्ष का सामाजिक भाव पैदा हुआ। इस प्रकार इससे अमृत और विष दोनों निकले। भारतीय समाज की पिछड़ी और दलित जातियों के लिए अमृत के रूप में एक नई आस पैदा हुई। उनकी नई राजनीति विकसित हुई। उनकी अस्मिता बलवती हुई परंतु इसी के साथ धीरे-धीरे पिछड़ों एवं उपेक्षित सामाजिक समूहों में एक क्रीमीलेयर बनने लगी। यह एक प्रकार से इन समूहों के लिए अपने ही नाभिकुंड में विष के निर्माण की प्रक्रिया का गतिमान होना था। यह क्रीमीलेयर न केवल क्रीमीलेयर बना रहा, बल्कि वह इन समूहों में ऐसे शंकुलों में बदल गया जो दूसरों के हिस्से के शहद एवं अमृत को अपने में शोषित करते जा रहे थे। इस सिलसिले में अंबेडकर की बात याद करें तो ऐसे लोग अपने ही समाज को ह्यपे बैकह्न नही करते।

सामाजिक प्रक्रिया में एक और घटना यह घटी कि इन समूहों में जो लोग आरक्षण व्यवस्था का लाभ उठाने में अक्षम रहे उनमें अपने ही समाज के सहजातीय ह्यअभिजात्यह्न एवं क्रीमीलेयर्स के प्रति ईष्या का भाव भी पैदा हुआ। चूंकि जिस अभिजात्य के प्रति उनमें द्वेषभाव पैदा हुआ वही अभिजात्य उनकी राजनीति भी कर रहा था इसलिए उसके खिलाफ उसी समाज के एक भाग की गोलबंदी की संभावना बनी। इसका ही लाभ पिछले चुनाव में भाजपा को मिला। मंडल राजनीति ने ह्यजातीय अस्मिताह्न की राजनीति को मजबूत किया। मुलायम सिंह यादव, लालू यादव, शरद यादव, नीतीश कुमार, कांशीराम, मायावती इत्यादि ह्यअस्मिताह्न की मंडल राजनीति जनित माहौल एवं खाद-पानी की ही पैदाइश रहे। इनमें से कई ने बाद में सर्वसमाज और विकास जैसी राजनीतिक भाषा से अपने को जोड़ा, परंतु उनका आधार जातीय अस्मिता पर आधारित रहा। मंडल ब्रांड राजनीति ने मंडल स्मृति पैदा की। इसको जगाकर पिछड़ी एवं दलित जातियों के एक बड़े भाग को जोड़ा जा सकता था, लेकिन मंडल की काट में कमंडल की राजनीति विकसित हुई। उत्तर प्रदेश के हालिया विधानसभा चुनावों के नतीजों से यह जाहिर होता है कि ह्यपोस्ट मंडलह्न सामाजिक गठबंधन की शुरूआत हो चुकी है। इसमें उपेक्षित समूह अपने ही अभिजात्य के खिलाफ जातीय आह्वान से पृथक होकर वोट देते दिखा। ऐसा लगता है कि मंडल की स्मृति अब धुंधली होने लगी है। उसे जगाने एवं फिर से उकेरने के लिए जो नेतृत्व पिछड़ी एवं दलित जातियों में था वह या तो इस स्मृति को ठीक से जगा नहीं पाया या यूं कहें कि उसे बिहार में लालू यादव की तरह प्रभावी राजनीति में बदल नही पाया।

उत्तर प्रदेश में ह्यएक नया समाजह्न बन रहा है जो पोस्ट मंडल समाज है जिसमें न मंडल आधारित राजनीति प्रभावी दिख रही है और न ही कमंडल आधारित राजनीति। उत्तर प्रदेश चुनाव में गोलबंदी के लिए जहां रामजन्म भूमि की स्मृति कहीं-कहीं इस्तेमाल होती रही वहीं शमशान-कब्रिस्तान जैसे मुद्दे भी देखने-सुनने को मिले, परंतु इन दबे-छिपे मुद्दों के ऊपर महिलाओं, युवाओं, किसानों, गरीबों की ह्यवर्गीय गोलबंदीह्न भी बनती दिखाई पड़ी। रोचक यह है कि इस जाति मुक्त सामाजिक समूह में पहले वामपंथियों एवं सामाजिक विमुक्ति के एजेंडे पर काम करती कांग्रेस से लाभान्वित होने की आकांक्षी थी। अब वह ह्यराइटिस्टह्न कही जाने वाली भारतीय जनता पार्टी की ओर आशा से देख रहा है।

उत्तर प्रदेश में मुस्लिम महिलाएं जिस तरह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पास अपनी तलाक संबंधी समस्याओं को लेकर पहुंच रही हैं क्या उससे यह जाहिर नही होता कि ह्यतीन तलाकह्न जैसे मुद्दों ने मुस्लिम महिलाओं को भाजपा की ओर खींचा होगा? 2014 के चुनाव में जिस ह्यएस्पीरेशनल कम्युनिटीह्न के बनने की चर्चा हुई थी हो सकता है कि 2017 के चुनाव में उसी एस्पीरेशनल कम्युनिटी का विस्तार हुआ हो। यह भी हो सकता है कि एक नई सामाजिक गोलबंदी जातीय अस्मिता से अलग-हिंदुत्व, विकास की चाह, विकास जनित ईर्ष्या, उपेक्षा भाव, इन सबको मिलाकर बन रही हो। इसे शायद अभी कोई नाम देना जल्दबाजी होगी, किंतु बाजार, तकनीक, मोबाइल, टेलीविजन, सूचनाओं का अबाध आदान-प्रदान, बेहतर जीवन की चाह आदि सब मिलकर ऐसे सामाजिक समूहों का निर्माण कर रहे हैं जिनके लिए पारंपरिक अस्मिताएं अप्रासांगिक होती जा रही हैं। यह भी कहा जा सकता है कि पारंपरिक अस्मिता एक नया अर्थ लेकर नई गोलबंदी का कारण बन रही है। उत्तर प्रदेश के हाल के चुनाव में सुहलदेव भारतीय समाज पार्टी और अपना दल जैसे जातीय आधार मत वाले राजनीतिक दलों ने सत्ता में भागीदारी की नई चाह के तहत बसपा जैसी दलित आधार वाली पार्टी से अलग होकर भाजपा के साथ हाथ मिलाया। ध्यान रहे कि अपना दल में प्रभावी कुर्मी मतदाता उत्तर प्रदेश में एक लंबे समय तक कांशीराम के नेतृत्व में बसपा से जुड़े रहे। अपना दल के संस्थापक सोनेलाल पटेल कांशीराम के सहयोगी ही थे। इसी तरह सुहलदेव भारतीय समाज पार्टी भी बसपा से निकली ही है।

बिहार में जहां विकास की चाह के साथ मंडल स्मृति के तहत आरक्षण का मुद्दा, पिछड़ों एवं दलितों की गोलबंदी का कारण रहा वहीं उत्तर प्रदेश में पोस्ट मंडल पॉलिटिक्स बनती दिखी। उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में उभरे इस ह्यनए बन रहे आकांक्षापरक समाजह्न ने जातियों की पारंपरिक अस्मिता को तोड़कर और उसमें नए अर्थ देकर नए गठबंधन बनाए। वहीं बिहार में पिछड़ों एवं उपेक्षितों ने नए विकास की चाह रखते हुए भी मंडल राजनीति से उभरे नेताओं एवं उनकी राजनीति पर ही विश्वास जताया। यह एक ऐसा अंतर्विरोध है जिसका समाधान आसान नहीं है। फिलहाल इतना ही कहा जा सकता है कि भारतीय समाज एक ऐसे संक्रमण के दौर से गुजर रहा है, जिसमें बहुल आवाजें अपनी-अपनी पुकार अपने -अपने ढंग से लगा रही हैं। साथ ही अनेक तरह के सामाजिक भावों के अनेक तल समाज में एक दूसरे के ऊपर इकट्ठे होकर जमा हो रहे हैं। इनमें से कौन सा सामाजिक भाव राजनीति में कब महत्वपूर्ण हो जाएगा, यह सामाजिक परिस्थिति के साथ-साथ सामाजिक नेतृत्व की शक्ति पर भी निर्भर करेगा। अब यह देखना यह है कि अभी मोदी जी एवं योगी जी का सामाजिक नेतृत्व इस नए बन रहे समाज के बनने की प्रक्रिया में क्या भूमिका निभाता है?

उत्तर बनाम दक्षिण भारतीय

हाल में राज्यसभा के पूर्व सांसद तरुण विजय की ओर से अलजजीरा चैनल में की गई टिप्पणी पर तिल का ताड़ बना दिया गया। टीवी चैनलों से लेकर संसद तक में उनके बयान पर जरूरत से ज्यादा चर्चा हुई। उन्होंने ग्रेटर नोएडा में नाइजीरियाई लोगों के खिलाफ हुई हिंसा के विषय में कहा था, ह्यहम रेसिस्ट या रंगभेदी नहीं हैं। अगर हम रंगभेदी होते तो दक्षिण भारत के लोगों के साथ कैसे रहते। हमारे यहां अश्वेत हैं, आसपास अश्वेत हैं। तरुण विजय की बात रंगभेदी लगे तो उसका विरोध जरूर किया जाना चाहिए, लेकिन इसका औचित्य समझना कठिन है कि उनकी बात का हवाला देते हुए समस्त उत्तर भारतीयों पर टीका-टिप्पणियां और कटाक्ष होने लगें। कई चैनलों पर तथाकथित विद्वानों ने मोर्चा संभाल लिया। वे बढ़-चढ़कर बातें बनाने लगे। आखिर उन्हें तरुण विजय के बहाने देश के पचपन करोड़ नागरिकों को निशाने पर लेने का हक किसने दिया? क्या किसी एक व्यक्ति की बात का हवाला देकर समूचे हिंदी भाषी क्षेत्र के खिलाफ हमलावर होना ठीक है? क्या एक व्यक्ति विशेष के विचार को समूचे उत्तर भारत का प्रतिनिधि विचार माना जा सकता है या माना जाना चाहिए? आप हैं कौन जो अपनी भड़ास निकालने के लिए सारे उत्तर भारत पर टूट पड़ें? कुछ लोगों के स्वर से तो ऐसा भी लग रहा था कि जैसे उत्तर भारत और दक्षिण भारत दो अलग-अलग देश हों। इनमें रहने वाले नागरिक, एक देश के नागरिक न होकर शत्रु देश के नागरिक हों। असल में स्वयंभू विद्वानों की बातें सुनकर उनकी सोच-समझ और मानसिकता का पता चल रहा था कि वे उत्तर भारतीयों से किस हद तक द्वेष-भाव रखते हैं। टीवी की बहसों में बताया जा रहा था कि उत्तर भारतीय तो ऐसे ही होते हैं। उनकी मानसिकता और सोचने का तरीका ऐसा ही है कि वे दक्षिण भारतीयों को उनके रंग के कारण हेय दृष्टि से देखते हैं। बात-बात पर उनका अपमान करते हैं। इससे पहले यह भी कहा जाता रहा है कि उत्तर भारतीयों की कोई संस्कृति ही नहीं होती। संस्कृति की बात चली तो जरा पूछ ही लिया जाए कि क्या आपने किसी उत्तर भारतीय को किसी नेता के पीछे मरते देखा है? क्या किसी उत्तर भारतीय ने अपने नेता का मंदिर बनाया है? उत्तर भारत में लोग नेताओं को एक सामान्य मनुष्य की तरह ही देखते हैं न कि उन्हें भगवान बनाकर पूजते हैं। आज सिर पर बिठाते हैं तो कल नीचे भी उतार देते हैं। यहां किसी अन्य भाषा भाषी के साथ भाषा के आधार पर हिंसा भी नहीं होती। दूसरी ओर हम देखते हैं

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

स्वच्छ भारत अभियान अंतर्गत 11 हजार शौचकूप लगाए जाने का मनपा का दावा

राधिका यादव

मुंबई । मनपा द्वारा स्वच्छ भारत अभियान अंतर्गत मुंबई को खुले में शौच से मुक्त करने पर जोर दिया गया था । जिसमें मनपा ने अब तक 11 हजार 696 शौचकूप लगाए जाने का दावा किया है । साथ ही इनमे से सार्वजनिक व सामुदायिक शौचालयों में बिजली व पानी मुहैया किये जाने की जानकारी घनकचरा विभाग के प्रमुख अभियंता सिराज अंसारी ने दी है ।

गौरतलब है कि मनपा ने स्वच्छ भारत अभियान अंतर्गत मुंबई को स्वच्छ बनाने के लिए कमर कसी है । इस अभियान अंतर्गत खुले में शौच से मुंबई को मुक्त करने के लिए मनपा ने घर घर शौचालय संकल्पना , शौचालयों का निर्माण करने, शौचकूप लगाने , शास्त्रोक्त पद्धति का उपयोग कर कचरा व्यवस्थापन करना व विविध स्तर पर मनपा द्वारा कार्यवाही की गयी । मनपा द्वारा 31 मार्च 2017 तक इस अभियान के तहत कुल 11 हजार 696 शौचकूप लगाए जाने का दावा किया गया है । जिसमें से लगभग 1 हजार 168 व्यक्तिगत शौचालय, 9 हजार 787 सामुदायिक शौचालय व 741 सार्वजनिक शौचकूप लगाए गए है । जिससे अब मुंबई के प्रत्येक नागरिक को उसके घर से लगभग 500 मीटर के अंतराल में सार्वजनिक शौचालय की सुविधा उपलब्ध होगी । साथ ही मनपा की कार्यवाही के कारण बड़े प्रमाण में शौचालयों का उपयोग किये जाने का अंसारी ने स्पष्ट किया है । बता दें कि केंद्र सरकार द्वारा 2 अक्टूबर 2014 से इस स्वच्छता अभियान की शुरूवात की गयी थी । जिसके अनुसार मुंबई में भी मनपा द्वारा इस अभियान की शुरूवात की गयी । यह अभियान महात्मा गांधी के 150वी जयंती तक याने 2 अक्टूबर 2019 तक चलाया जाएगा ।

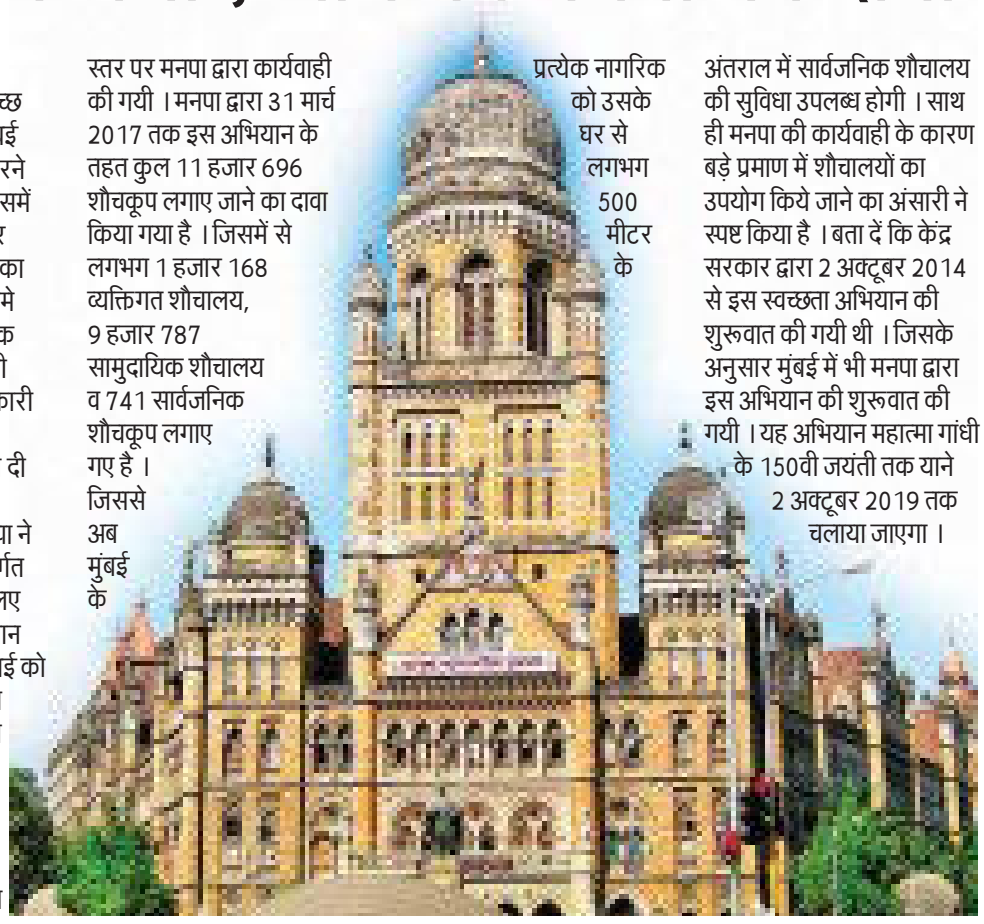

पहली उपनगरीय ट्रेन का 150 वर्षों का सफर हुआ पूरा

पश्चिम रेलवे ने हासिल किया एक और मील का पत्थर

राधिका यादव

मुंबई । गौरवशाली इतिहास तथा शानदार वर्तमान के साथ बेहतर भविष्य की ओर पश्चिम रेलवे अग्रसर हो रही है । इसी के अंतर्गत पश्चिम रेलवे ने 12 अप्रैल, 2017 को पूर्ववर्ती पश्चिमी लाइन (पूर्व में बी बी एंड सी आई) पर पहली उपनगरीय ट्रेन सेवा परिचालित होने की 150 वीं वर्षगांठ पूर्ण कर एक और मील का पत्थर हासिल कर लिया है । गौरतलब है कि पश्चिम रेलवे लगातार नए आयामों को छूती जा रही है । पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी रविन्द्र भाकर ने बताया कि पश्चिम रेलवे पर उपनगरीय लोकल का इतिहास वर्ष 1867 में प्रारम्भ हुआ था, जब 12 अप्रैल को एक उपनगरीय ट्रेन दोनों दिशाओं में विरार तथा बैकबे के बीच चली थी। इस ट्रेन को भाप इंजन द्वारा चलाया गया था तथा यह ट्रेन विरार तब के विरौर से 06.45 बजे बैकबे के लिए रवाना हुई थी तथा वापसी यात्रा में बैकबे से यह ट्रेन 05.30 बजे रवाना हुई थी।

यात्रा के दौरान यह ट्रेन नीला, बसिन,पान्जो, बेरेवला, फादे, अंडारू, सांताक्रूझ, बांद्रा,माहिम, दादर तथा ग्रांट रोड स्टेशनों पर ठहरी थी । बैकबे रिक्लेमेशन के धीमे विकास एटीवीएम, यूटीएस तथा दिशा एप तथा सुरक्षा हेल्पलाइन इत्यादि के साथ डिजिटल तकनीक के दौर में यह कदम से कदम मिलाकर चल रही है जिससे कि उपनगरीय यात्री आरामदायक एवं चिंता मुक्त होकर रेल यात्रा कर सकें। संरक्षा को ध्यान में रखते हुए लगभग सभी उपनगरीय स्टेशनों पर निरंतर पैदल ऊपरी पुलों, सबवे, एस्केलेटर,एलीवेटर का निर्माण किया जाता है। साफ एवं स्वास्थ्यकर वातावरण के साथ सभी यात्रियों विशेषतः महिलर यात्रियों की सुरक्षा को अत्यंत प्राथमिकता दी जाती है। गौरवशाली इतिहास एवं उपलब्धियों पर न ठहरते हुए पश्चिम रेलवे समझती है कि बेहतर भविष्य की दिशा में पूर्वजों को कितनी चुनौतियों का सामना करना पड़ा होगा, जिसकी यात्रा 150 वर्ष पूर्व शुरू हुई।

(पृष्ठ 1 का शेष)

ईवीएम छेड़छाड़ पर....

सूत्रों के अनुसार राजनीतिक दलों द्वारा ईवीएम में कथित छेड़छाड़ के लगातार आरोपों के बाद चुनाव आयोग ने यह फैसला किया है। एक आधिकारिक सूत्र ने कहा, 'मई के शुरू में विशेषज्ञ, वैज्ञानिक और तकनीक के जानकार 10 दिन के अंदर आकर मशीन को हैक करने की कोशिश कर सकते हैं।' बता दें कि आयोग ने 2009 में भी इसी तरह की चुनौती दी थी और दावा किया था कि कोई भी ईवीएम को हैक नहीं कर पाया।

जाधव को फांसी की सजा...

संपादकीय के मुताबिक, जाधव का मामला नियमित कार्रवाई से काफी अलग है और यह एक देश का दूसरे देश की सुरक्षा तथा खुफिया प्रणाली के खिलाफ पूरी तरह से अस्थिर गुप्त कार्रवाइयों का दौर शुरू कर सकता है। डॉन ने उम्मीद जताते हुए कहा है कि गुप्त तौर पर बातचीत या किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता से जाधव मुद्दे पर भारत एवं पाकिस्तान के बीच तनाव कम करने में मदद मिलेगी और जासूसी के लेकर नए नियमों का सूत्रपात होगा। बता दें कि भारत ने पाकिस्तान को चेतावनी दी है कि अगर जाधव को फांसी दी गई, तो वह उसे सुनियोजित हत्या मानेगा। पत्र आगे लिखता है, भारत-पाकिस्तान के संबंध पहले से ही तनावपूर्ण हैं और जाधव को फांसी की सजा का फैसला सुनाने से अनिश्चितता और बढ़ गई है। समाचार पत्र ने कहा, जाधव की सजा के बावजूद कई अनसुलझे सवाल हैं। गौरतलब है कि जाधव को कथित तौर पर पाकिस्तान के खिलाफ जासूसी तथा विध्वंसकारी गतिविधियों में लिप्त होने के आरोप में 3 मार्च, 2016 को बलूचिस्तान के माशकेल इलाके में गिरफ्तार किया गया था।

पाकिस्तानी अधिकारियों ने जाधव से सभी सूचनाएं प्राप्त की हैं या नहीं या उन्हें केवल जाधव को फांसी पर लटकाने की ही जल्दबाजी है। अखबार लिखता है कि जाधव की गिरफ्तारी तथा उन्हें सजा देना यह स्मरण कराता है कि निकट भविष्य में दोनों पड़ोसी मुल्कों के बीच जानलेवा युद्ध जारी रह सकता है। अखबार के मुताबिक, दोनों देशों को एक दूसरे के खिलाफ पैंतरेबाजी बंद कर शांतिपूर्ण संबंधों के पहलू पर काम करने के लिए वक्त आ गया है।

संसद में बोलीं जया बच्चन...

सबसे पहले मामला तृणमूल कांग्रेस के सुखेंदु शेखर राय ने उठाया। उन्होंने मांग की कि सरकार इस मामले पर सफाई दे और इस बयान की निंदा करे क्योंकि यह मामला राजनीतिक रूप से ऐसे लोगों को बढ़ावा दिए जाने की वजह से ही हुआ है।

मायावती ने कहा कि बीजेपी के लिए सिर्फ निंदा करना काफी नहीं है बल्कि उस नेता के खिलाफ कार्रवाई भी की जानी चाहिए। कांग्रेस के नेता दिग्विजय सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री को इस मामले की निंदा ट्विटर के जरिए करनी चाहिए।

रूपा गांगुली ने जवाब देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इशारे पर तृणमूल कांग्रेस के गुंडों ने उन पर तीन बार पर हमला किया। इस पर रूपा गांगुली और जया बच्चन के बीच नोकझोंक भी हुई। सरकार की तरफ से संसदीय कार्य राज्यमंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं और राज्य सरकार को चाहिए इसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करें।

अलीगढ़ के बीजेपी यूथ विंग के नेता योगेश वार्ष्णे ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का सिर काटने पर ईनाम का ऐलान किया है। योगेश ने ममता का सिर काटकर लाने वाले को 11 लाख रुपये देने का ऐलान किया। बताया जा रहा है कि पश्चिम बंगाल के बीरभूम में हनुमान जयंती के मौके पर निकाले गये जुलूस पर लाठीचार्ज से आहत आकर योगेश ने ऐसा किया।

पाकिस्तान NSA नासिर जंजुआ का बयान...

जंजुआ की यह टिप्पणी पाकिस्तान की एक सैन्य अदालत द्वारा भारतीय नागरिक कुलभूषण जाधव को मौत की सजा सुनाये जाने के चलते भारत-पाक तनावों में इजाफा होने की पृष्ठभूमि में सामने आई है। जंजुआ ने साथ ही भारत पर आरोप लगाया है कि भारत द्विपक्षीय भावना का उल्लंघन कर कश्मीर मुद्दे को लेकर वार्ता से इनकार कर रहा है। बता दें कि जाधव को मौत की सजा पर भारत ने पाकिस्तान को यह चेतावनी दी है कि अगर भारतीय नागरिक को फांसी दी गई तो इसका परिणाम द्विपक्षीय संबंधों पर पड़ेगा। कनाडा के उच्चायुक्त पेरी कैल्डरवुड से मंगलवार को बातचीत के दौरान जंजुआ ने कहा, भारत कश्मीर को एक द्विपक्षीय मुद्दा मानता है जबकि वह द्विपक्षीय भावना का उल्लंघन कर इस मुद्दे पर बातचीत करने से कतराता है। कश्मीर में हालात का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, कट्टरपंथी सोच को सिर्फ बल प्रयोग से नहीं बल्कि धारणा में बदलाव, लोगों के दिलो दिमाग को जीतकर ही कम किया जा सकता है।' उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों को द्विपक्षीय बातचीत करनी चाहिए।

पाकिस्तान की सरकारी असोसिएटेड प्रेस ऑफ पाकिस्तान (एपीपी) ने जंजुआ के हवाले से कहा, हमें परस्पर संवाद और विवादों को सुलझाना चाहिए। भारत-पाक संबंधों में तनाव के बीच उन्होंने कहा, पाकिस्तान और भारत हमेशा दुश्मन नहीं बने रह सकते हैं। जंजुआ ने परमाणु आपूर्ति समूह (एनएसजी) के मुल्कों से पाकिस्तान की सदस्यता पर विचार करने के दौरान भेदभाव रहित दृष्टिकोण अपनाने का आग्रह किया है।

समाजवादी पेंशन पर योगी ने लगाई रोक, टूट सकता है अखिलेश का साइकिल ट्रैक

यूपी में अखिलेश सरकार की योजनाओं पर योगी सरकार की गाज गिरने लगी है। मंगलवार को देर रात तक चली बैठक के बाद इस बार मुख्यमंत्री ने समाजवादी सरकार की पेंशन योजना पर रोक लगाते हुए उस पर जांच बैठा दी है। साथ ही अखिलेश सरकार के बनवाए साइकिल ट्रैक को तोड़ने पर भी विचार किया जा रहा है। ट्रैक तोड़ने के पीछे तर्क यह दिया जा रहा है कि इससे सड़कें चौड़ी होंगी।

जानकारी के अनुसार मंगलवार रात योगी आदित्यनाथ ने समाज कल्याण विभाग की बैठक बुलाई थी जिसमें बड़ा फैसला लेते हुए अखिलेश सरकार की समाजवादी पेंशन योजना पर रोक लगा दी और जांच बैठाई है। जांच इस बात को लेकर होगी कि जिन लोगों को पेंशन मिल रही है वो वास्तव में इसके हकदार हैं भी या नहीं।

इस योजना के तहत समाजवादी सरकार गरीब परिवार को हर महीने 500 रुपए देती थी लेकिन योगी सरकार ने विधवाओं, दिव्यांगो और बुजुर्गों को यह राशी दोगुनी यानी 1000 रुपए करके देने का प्लान बनाने के लिए कहा है। बैठक में इसके अलावा अखिलेश सरकार द्वारा बनाए गए साइकिल ट्रैक को भी तोड़ने को लेकर विचार किया गया। दावा है कि कई शहरी इलाकों में इसकी वजह से सड़कें संकरी हो गई है। फिलहाल अधिकारियों को इसकी समीक्षा करने के लिए कहा गया है।

ममता का सिर काटने वाले बयान का मुद्दा संसद में भी गूंजा, BJP ने की निंदा

पश्चिम बंगाल में बीजेपी के एक नेता द्वारा प्रदेश की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के सिर पर 11 लाख रुपये का इनाम घोषित करने का मामला बुधवार को संसद में गूंजा। सरकार ने कहा कि वह इस प्रकार के बयान की निंदा करती है। वहीं, अलीगढ़ के एसएसपी राजेश कुमार पांडे ने बताया कि ममता के सिर पर इनाम रखने के आरोपी बीजेपी युवा मोर्चा के नेता के खिलाफ तृणमूल की शिकायत पर केस दर्ज कर लिया गया है।

लोकसभा में सुबह सदन की बैठक शुरू होने पर तृणमूल कांग्रेस के सौगत रॉय ने यह मामला उठाया। रॉय ने कहा कि बीरभूम जिले में भाजपा कार्यकर्ताओं पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया था जिसके बाद भाजपा के एक नेता ने कहा कि जो भी प्रदेश की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का सिर काट कर लाकर देगा उसे 11 लाख रुपये का इनाम दिया जाएगा। सौगत रॉय ने इसकी कडी निंदा करते हुए कहा कि एक निर्वाचित मुख्यमंत्री के खिलाफ इस प्रकार का बयान देना बेहद अनुचित है जो पूर्व केंद्रीय मंत्री भी रही हैं। उन्होंने मांग की कि सरकार इस मामले में संबंधित बीजेपी सदस्य के खिलाफ सभी संभावित कार्रवाई करे जिसने इस प्रकार का भड़काऊ बयान दिया है।

कांग्रेस के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी घटना की निंदा करते हुए कहा कि एक महिला मुख्यमंत्री के खिलाफ ऐसा बयान स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों के लिए सरकार की ओर से कड़ा संदेश आना चाहिए। संसदीय मामलों के राज्य मंत्री अनंत कुमार ने इस पर कहा कि इस प्रकार का जो सिरफिरा बयान दिया गया है वह गलत है और हम इसकी निंदा करते हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी एक लोकतांत्रिक पार्टी है। ममता बनर्जी एक निर्वाचित मुख्यमंत्री हैं और उनका सम्मान होना चाहिए।

अध्यक्ष सुमित्रा महाजन ने भी कहा, हमेरा सभी से शांत जोड़कर निवेदन है कि आप सभी सांसद हो, आपको बोलते समय संयम रखना चाहिए। हम सभी जनप्रतिनिधि हैं और हम सभी को इसका ध्यान रखना चाहिए। विपक्ष की ओर से कई अन्य सदस्यों ने भी सौगत रॉय और खड़गे की बात का समर्थन किया। राज्यसभा में भी सरकार ने इस बयान की निंदा की और कहा कि राज्य सरकार इस मुद्दे पर समुचित कानूनी कार्रवाई करने के लिए स्वतंत्र है। उच्च सदन की बैठक शुरू होने पर तृणमूल कांग्रेस के सुखेन्दु शेखर रॉय ने यह मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि सत्ताधारी दल के एक कार्यकर्ता ने बहुत आपत्तिजनक बयान दिया है। उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री को राक्षस बताया और उनका सिर काट कर लाने वाले को 11 लाख रुपये का इनाम देने का ऐलान किया है।

सुखेन्दु शेखर रॉय ने सदन और सरकार से इस बयान की निंदा करने की मांग करते हुए कहा कि इस पर तत्काल संज्ञान लिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि वह और उनकी पार्टी एक निर्वाचित मुख्यमंत्री के खिलाफ दिए गए इस तरह के बयान की निंदा करते हैं। रॉय ने कहा, ह्यसंवैधानिक तौर पर निर्वाचित मुख्यमंत्री को राक्षस बताया जाना विकृत मानसिकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार पश्चिम बंगाल में धर्म और अन्य बातों के नाम पर आतंक का राज स्थापित करने के लिए प्रयासरत है। संसदीय कार्य राज्यमंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा, 'मैं इस तरह के बयान की कड़े शब्दों में निंदा करता हूं। राज्य सरकार इस मुद्दे पर समुचित कानूनी कार्रवाई करने के लिए स्वतंत्र है।' उप सभापति पी। जे। कुरियन ने कहा कि राज्य सरकार एक प्राथमिकी दर्ज करा सकती है और कार्रवाई की जा सकती है। उन्होंने कहा, 'ऐसे लोगों की कार्रवाई को कानून के दायरे में लाया जा सकता है। प्राथमिकी दर्ज करानी चाहिए। कानून अपना काम करेगा।

कश्मीर मुद्दे पर फारुख के समर्थन में यशवंत सिन्हा, बोले- क्या देशद्रोही थे अटल?

पूर्व केंद्रीय मंत्री और बीजेपी के वरिष्ठ नेता यशवंत सिन्हा ने फारुख अब्दुल्ला के बयान पर टिप्पणी की है। यशवंत सिन्हा ने फारुख अब्दुल्ला का समर्थन करते हुए उन्होंने राष्ट्रवादी करार दिया तो वहीं वह बोले कि अटल बिहारी वाजपेयी भी अलगाववादियों से बातचीत के समर्थन में थे। तो क्या वह भी एंटी नेशनल हो जाते हैं।

क्या देशद्रोही थे अटल?

यशवंत सिन्हा ने कहा कि फारुख अब्दुल्ला हमेशा से ही राष्ट्रवादी रहे हैं, उनका बयान चुनाव प्रचार के दौरान आया था। ऐसे में मैं ये नहीं कह सकता कि ये बयान किस संदर्भ में आया था। सिन्हा बोले कि अगर आज के समय में आप अलगाववादियों से बातचीत की पहल करते हैं तो आप देशद्रोही बन जाते हैं, तो क्या अटल जी और आडवाणी जी भी देशद्रोही थे।

नहीं सुधरे हैं पाक से रिश्ते

यशवंत सिन्हा बोले कि पिछले 70 वर्षों में पाकिस्तान से रिश्ते नहीं सुधर पाये हैं, क्योंकि दोनों देशों में विश्वास की कमी है। उन्होंने कहा कि जब तक पाकिस्तान की ओर से नकारात्मक्ता खत्म नहीं होगी, तब तक बात करने का कोई फायदा नहीं मिल सकेगा। वह बोले कि अगर चुनावों में बहुत हिंसा हुई होती तो कोई भी वोट डालने ना जाता।

क्या कहा था फारुख ने?

आपको बता दें कि फारुक अब्दुल्ला ने हाल ही में कश्मीर के युवाओं को लेकर टिप्पणी की थी, उन्होंने कहा था कि पत्थर फेंकने वाले देशहित में ऐसा करते हैं। फारुख अब्दुल्ला ने बयान में भारत और पाकिस्तान के बीच अमेरिका को मध्यस्थता करने की बात कही थी। फारुख के इस बयान के बाद काफी बवाल मचा था।

संसद का बजट सत्र खत्म, सरकार के लिए ऐसे ऐतिहासिक रहा यह सेशन

संसद का बजट सत्र बुधवार को समाप्त हो गया। आमतौर पर काम की बजाए कामकाज ठप करने के लिए वर्षा में रहने वाले संसद के दोनों में सदनों में इस बार शानदार कामकाज हुआ। इसे चाहे सरकार की रणनीतिक सफलता कहिए, विपक्ष की उदारता या फिर विधानसभा चुनाव का असर कहिए। कामकाज के लिहाज से दो हिस्सों में 29 दिनों तक चलने वाला 31 जनवरी से शुरू हुआ बजट सत्र यादगार और ऐतिहासिक रहा।

1 अप्रैल से ही बजट के प्रावधान होने लगे लागू – ऐसा इतिहास में पहली बार हुआ जब बजट पास करने से संबंधित सभी कार्यवाही लोकसभा व राज्यसभा दोनों में 31 मार्च से पहले ही पूरी कर ली गई। इसकी बदौलत बजट के प्रावधानों को लागू करने का काम अब नए वित्त वर्ष यानी 1 अप्रैल से ही शुरू हो चुका है। पहले यह काम जून-जुलाई तक ही शुरू हो पाता था। यह भी पहली बार हुआ जब सरकार ने रेल बजट और आम बजट को मिलाकर एक साथ पेश किया।

बिना संशोधन पास हुआ जीएसटी बिल – पूरे बजट सत्र के दौरान सरकार लोकसभा में 24 बिल और राज्यसभा में 14 बिल पास करा पाई। 18 बिल ऐसे थे जिसे सरकार ने दोनों सदनों में पास कराने में सफलता पाई। सरकार के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही कि 10 साल से ज्यादा से लटका हुआ जीएसटी बिल आखिरकार लोकसभा व राज्यसभा दोनों से पास हो गया। राज्यसभा में सरकार के पास बहुमत नहीं होने के बावजूद विपक्ष का सहयोग मिला और बिना किसी संशोधन के यह बिल राज्य सभा से भी पास हो गया।

जीएसटी से आएगा क्रांतिकारी बदलाव – आर्थिक सुधारों की दिशा में जीएसटी बिल को मील का पत्थर कहा जा रहा है, जिससे टैक्स को लेकर पूरे देश में क्रांतिकारी बदलाव होगा। जीएसटी को पूरे देश में लागू करने के लिए जरूरी तीन और बिल भी साथ में ही पास हो गए, जिसके बाद इसे लागू करने का रास्ता साफ हो गया है।

देशहित के मामलों में विपक्ष ने दिया साथ –संसदीय कार्य मंत्री अनंत कुमार से जब पूछा गया कि क्या विधानसभा चुनाव के नतीजों की वजह से विपक्ष का मनोबल गिरा होने से सरकार का काम आसान हो गया तो उन्होंने सिर्फ इतना ही कहा कि वह सहयोग के लिए विपक्ष का धन्यवाद देते हैं।

चीन की धमकी- दलाई लामा के मामले पर भारत ने अपने पैर पर मार ली कुल्हाड़ी

दलाई लामा की अरुणाचल यात्रा को लेकर चीन के साथ बढ़ी तल्खी थमने का नाम नहीं ले रही है। चीन ने अब तक का सबसे कड़ा बयान दिया है। चीन ने कहा कि भारत ने तिब्बत को लेकर अपनी प्रतिबद्धता को तोड़ा है और उसके गंभीर नतीजे हो सकते हैं।

चीन ने क्या कहा?

चीन की विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लू कांग ने कहा कि भारत दलाई लामा की राजनीतिक और भड़काऊ बयानबाजी में शामिल हो गया है। चीन ने कहा है कि भारत ने इससे तिब्बत को लेकर अपनी प्रतिबद्धताओं का उल्लंघन किया है। इससे सीमा मसले के हल और द्विपक्षीय संबंधों पर नकारात्मक असर होगा।

'अरुणाचल यात्रा की इजाजत नहीं मिलनी चाहिए थी'

इससे पहले चीन ने तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा के अरुणाचल प्रदेश की यात्रा का विरोध करते हुए कहा था कि 'भारत को इसकी इजाजत नहीं देनी चाहिए थी और इससे भारत को कोई फायदा नहीं होगा।' चीन ने कहा था कि इससे दोनों देशों के बीच संबंधों पर गंभीर असर होगा। हालांकि भारत ने इस यात्रा को पूरी तरह धार्मिक यात्रा बताया था।

रिजिजु का ट्वीट

चीन के आरोपों पर गृह राज्य मंत्री किरण रिजिजु ने ट्वीट कर कहा था कि भारत एक सेक्युलर लोकतांत्रिक देश है और धार्मिक नेताओं पर पाबंदी नहीं लगाता है। मैं चीन से अपील करता हूं कि वो दलाई लामा की अरुणाचल यात्रा को राजनीतिक रूप में न ले। रिजिजु ने कहा था कि अरुणाचल प्रदेश विवादित इलाका नहीं है। अरुणाचल प्रदेश के लोग शांति प्रेमी भारतीय हैं जो दोस्ताना संबंध चाहते हैं।

चीन के आरोपों पर दलाई लामा की प्रतिक्रिया

एक हफ्ते की पूर्वोत्तर यात्रा के दौरान बोमडिला पहुंचे दलाई लामा ने मीडिया से कहा– मैं प्राचीन भारत के विचारों का मैसेंजर हूं और जहां जाता हूं अहिंसा, धार्मिक शांति और धर्मनिरपेक्षता की बात करता हूं। दलाई लामा ने चीन के आरोप के जवाब में कहा– भारत ने कभी भी मुझे चीन के खिलाफ इस्तेमाल नहीं किया है।

धर्मेंद्र ,पदमिनी कोल्हापुरे ,धीरज कुमार ,महिमा चौधरी ,कुमार सानू ,उदित नारायण दूसरे बाबसाहेब आंबेडकर नोबेल अवार्ड में जुहू के भाईदास हॉल आयें

सनी शाह जो इंटरनेशनल ह्यूमन राइट्स कौंसिल के फाउंडर हैं ,इन्होने दूसरा बाबसाहेब आंबेडकर नोबेल अवार्ड जुहू के भाईदास हॉल में आयोजित किया जहाँ भारत के हर राज्य से लोगों को आमंत्रित किया गया । इस अवार्ड में फिल्म जगत ,डॉक्टर ,वकील ,पत्रकार ,न्यूज चैनल के रिपोर्टर ,संगीत , बिजनेसमैन ,समाज सेवक ,मंत्री ,सोशल वर्कर और कई क्षेत्रों से जुड़े लोगों को सम्मानित किया गया। इस साल धर्मेंद्र ,कुमार सानू ,महिमा चौधरी ,पद्मिनी कोल्हापुरे ,संचिति सकट ,एकता जैन ,काजल नंदू ,ब्राईट के योगेश लखानी , नविन प्रभाकर ,उदित नारायण ,सोनल सोनकावडे इनकम टैक्स ,मुकेश ऋषि , अनिल शर्मा ,राजकुमार संतोषी और कई जानेमाने मेहमानो को सम्मानित किया गया इंटरनेशनल ह्यूमन राइट्स कौंसिल में २१००० से ज्यादा लोग पुरे भारत हुए हैं। ये संस्था सोशल काम करती है। इनकम टैक्स कमिश्नर सुबचन राम मुख्य अतिथि थे । इस अवार्ड में सनी शाह ने अपना जन्मदिन भी एक बड़ा सा केक काटकर मनाया। मीडिया में जोईता ,संजय मिश्रा ,रवि बुले ,शांतिस्वरूप त्रिपाठी, चैतन्य पादुकोण ,रुपेश कुमार ,उषा मालसी ,लिपिका वर्मा ,एस के डे ,राघवेंद्र नाथ द्विवेदी ,वसीम अख्तर ,आर जे अलोक और योगेन शाह को अवार्ड से सम्मानित किया गया ।इंग्लिश पेपर ऐब्सोल्यूट इंडिया पेपर को बेस्ट इंग्लिश एंटरटेनमेंट एंड लाइफस्टाइल पेपर का अवार्ड मिला और वही गुजराती पेपर सन्देश के सतीश सोनी को बेस्ट एडिटर गुजराती का अवार्ड मिला। इनकम टैक्स डिप्टी कमिश्नर सोनल सोनकावडे को बेस्ट डेब्यू सिंगर का अवार्ड मिला उनकी पहली एल्बम मोरे सावरे के लिए ।

अब रोज तय होगी पेट्रोल-डीजल की कीमत, 1 मई से 5 शहरों में पायलट प्रोजेक्ट

केन्द्र सरकार की नई तैयारी के चलते 1 मई से देश के 5 शहरों में पेट्रोल और डीजल की कीमत प्रतिदिन निर्धारित की जाएगी। मौजूदा समय में पेट्रोल और डीजल की कीमत 15 दिन के अंतराल पर निर्धारित की जाती है।

केन्द्र सरकार की योजना के मुताबिक पूरे देश में पेट्रोल और डीजल की कीमत डेली डायनमिक प्राइसिंग के आधार पर की जानी है। न्यूज एजेंसी राइटर के मुताबिक 1 मई से पुडुचेरी, वाइजैग, उदयपुर, जमशेदपुर और चंदीगढ़ में अब पेट्रोल और डीजल की कीमत प्रतिदिन सुबह निर्धारित की जाएगी।

पायलेट प्रोजेक्ट के तहत होगी शुरूआत

इन शहरों में यह योजना एक पायलेट प्रोजेक्ट के तहत लागू की जा रही है। इन शहरों में इसकी सफलता के बाद इस योजना को पूरे देश में प्रभावी करने का फैसला किया जाएगा। गौरतलब है कि अभीतक देश में सरकारी तेल कंपनियां अंतरराष्ट्रीय मुद्रा बाजार और क्रूड ऑयल मार्केट में उतार-चढ़ाव को आधार मानते हुए पर्ति 15 दिन में पेट्रोल और डीजल की नई कीमतें निर्धारित करती हैं। भारत में सरकारी तेल कंपनियां- इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम पेट्रोल और डीजल रीटेल का 90 फीसदी कारोबार करती हैं। इन पांच शहरों में इन कंपनियों का लगभग 200 पेट्रोल-डीजल पंप है जो प्रतिदिन सुबह नई निर्धारित कीमत के मुताबिक पेट्रोल और डीजल की बिक्री करेंगी।

पूरे देश में इस योजना को लागू करने के लिए तेल कंपनियों ने इन पांच शहरों का चुनाव किया है जिससे प्रतिदिन नई कीमत पर पेट्रोल-डीजल बेचने में आने वाली व्यवहारिक दिक्कतों को समझा जा सके और पूरे देश में योजना को लागू करने से पहले ऐसी दिक्कतों को दूर किया जा सके।

श्रीश्री ने यमुना को पहुंचाया भारी नुकसान, ठीक करने में लगेंगे 13 करोड़ रुपये

आध्यात्मिक गुरु श्रीश्री रविशंकर की संस्था ऑर्ट ऑफ लिविंग के विश्व सांस्कृतिक महोत्सव से यमुना के डूब क्षेत्र को पूरी तरह बर्बाद कर दिया। एक विशेषज्ञ समिति ने राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण से यह बात कही है। इसके साथ ही इसने कहा कि श्रीश्री के इस कार्यक्रम से यमुना की पारिस्थितिकी को हुए नुकसान को ठीक करने में 13 ।29 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले साल मार्च में हुए इस महोत्सव की वजह से यमुना के डूबक्षेत्र में पनपने वाली जैव विविधता वहां से हमेशा के लिए गायब हो गई है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि सबसे ज्यादा नुकसान उस जगह को पहुंचा है जहां पर रविशंकर ने अपना विशालकाय स्टेज लगवाया था। जल संसाधन मंत्रालय के सचिव शशि शेखर की अध्यक्षता वाली विशेषज्ञ समिति ने एनजीटी को बताया है कि यमुना नदी के बाढ़ क्षेत्र को हुए नुकसान की भरपाई के लिए बड़े पैमाने पर काम कराना होगा। समिति ने कहा, ऐसा अनुमान है कि यमुना नदी के पश्चिमी भाग (दाएं तट) के बाढ़ क्षेत्र के करीब 120 हेक्टेयर (करीब 300 एकड़) और नदी के पूर्वी भाग (बाएं तट) के करीब 50 हेक्टेयर (120 एकड़) बाढ़ क्षेत्र पारिस्थितिकीय तौर पर प्रतिकूल रूप से प्रभावित हुए हैं। समिति ने अपनी रिपोर्ट में यह भी कहा कि अब यमुना किनारे की इस जमीन को उसी पुराने स्वरूप में वापस लाने की जरूरत है, जैसी वह कार्यक्रम से कुछ महीनों पहले तक थी।

गुजरात की BJP सरकार पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, कहा-आसाराम के खिलाफ ट्रायल को लटकाए न रखें

नाबालिग से रेप का मामले में सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात सरकार से कहा है कि आसाराम के खिलाफ ट्रायल को लटकाए ना रखें। इस मामले में प्रैक्टिकली संभव हो सके, गवाहों के बयान दर्ज कराएं जाएं क्योंकि आसाराम लंबे वक्त से जेल में हैं। गुजरात सरकार की ओर से कहा गया कि इस मामले में गवाहों को लेकर तेजी से कार्रवाई चल रही है। 29 गवाहों के बयान दर्ज हो चुके हैं और 46 के बयान दर्ज होना बाकी है। इस बीच दो गवाहों की हत्या कर दी गई और कई जख्मी हुए हैं। वहीं आसाराम की ओर से सुप्रीम कोर्ट में कहा गया कि सुप्रीम कोर्ट सरकार को आदेश दे कि गवाहों के बयान दर्ज कराने की प्रक्रिया में तेजी लाए जाए। कोर्ट मामले की सुनवाई जुलाई में करेगा।

दरअसल-आसाराम ने सुप्रीम कोर्ट में जमानत की अर्जी लगाई थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने अर्जी को ठुकराते हुए कहा था कि जब तक केस के गवाहों के बयान ट्रायल कोर्ट में दर्ज नहीं हो जाते, वह मामले की सुनवाई नहीं करेगा। आसाराम 2013 से जेल में बंद है। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने हरियाणा और उत्तर प्रदेश की सरकारों को आसाराम के केस में चार गवाहों को सुरक्षा देने के आदेश दिए हैं। मामले की अगली सुनवाई अब चार हफ्ते बाद होगी। याचिकाकर्ता ने कोर्ट को जानकारी दी कि हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश सरकारों की तरफ से मामले में अभी कोई जवाब दाखिल नहीं हुआ है, ऐसे में उन्हें सुरक्षा मुहैया कराई जाए, क्योंकि उनको जान का खतरा बना हुआ है। दरअसल, गवाहों के हत्या और धमकाने के आरोप के मामले में सीबीआई या एसआईटी जांच की मांग करने वाली याचिका पर कोर्ट ने केंद्र सरकार एवं हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश और राजस्थान की सरकारों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। याचिका में कहा गया था कि 10 मुख्य गवाहों में से तीन की हत्या हो चुकी है और शेष सात पर जानलेवा हमले हो चुके हैं। याचिका में यह मांग भी की गई कि आसाराम और उन्हें बेटे नारायण साई द्वारा तंत्र पूजा को लेकर भी सीबीआई जांच करवाई जाए। याचिका में आरोप लगाया गया है कि वे दोनों तंत्र पूजा किसी छोटे बच्चे के लाश के सामने करते हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

कानपुर गौशाला में भुखमरी से कई गायों ने तोड़ा दम, योगी ने मांगी रिपोर्ट

कानपुर। यूपी के कानपुर स्थित गौशाला सोसाइटी में गायों की खराब हालत पर सीएम योगी ने रिपोर्ट मांगी है। मामले की जांच भी शुरू कर दी गई है। मिली जानकारी के अनुसार, सोसाइटी में कई गायों की भूख से मौत हो चुकी है। बता दें, यह गौशाला देश की सबसे अमीर गौशालाओं में से एक मानी जाती है। गोवंश के लिए बनाई गई कानपुर गौशाला सोसाइटी में तीन गौशालाएं चलाती है। पहली गौशाला कानपुर के भौंती में है। दूसरी जौलोन के कालपी में और तीसरी कानपुर के महाराजपुर में है। राज्यपाल राम नाईक भौति गौशाले की तारीफ कर चुके हैं। चारे की कमी से हो रही गायों की मौत जांच के मुताबिक गौशाला में दूध ना देने वाली गायों को महज 200 ग्राम ही चुनी दी जाती है। गौशाला में कुल 550 गाये हैं, जिसमे महज 67 गाय दूध देने वाली हैं। दूध देने वाली 67 गायों को 200 किलो चूनी दी जाती है, जबकि बाकी सभी गायों को 100 किलो चूनी में ही निपटा दिया जाता है। जांच में पाया गया कि बिना चूनी के गाय चारा तबतक नहीं खाती जबतक कि वो भूख से तड़पने नहीं लगती। जानकारों की मानें तो एक गाय की न्यूनतम डाइट पांच किलो भूसा और दो किलो चुनी है। वहा के एक कर्मचारी ने नाम ना छापने की शर्त पर बताया- जो गायें दूध नहीं देतीं, उन्हें कभी-कभी 5-5 घंटे खाने को कुछ नहीं दिया जाता था। वो पानी पीकर ही अपना पेट भरती थीं।इसी वजह से 3 महीने के अंदर 15 से ज्यादा गायों की मौत हो चुकी है। वहीं, जांच के बाद मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ एस पी वर्मा ने गौशाला में तीन डॉक्टरों को तैनात कर दिया है। इनके निरिक्षण में गौशाला के गोदाम में भूसा और चोकर पर्याप्त मात्रा में मिला। तैनात डॉक्टर लगातार गायों पर नजर बनाए हुए हैं। गौशाला कमिटी में की गई फेरबदल गौशाला में गायों के मौत के बाद यहां की कमिटी में भारी फेरबदल की गई है। महामंत्री श्याम अरोरा के अधिकार छीन लिए गए हैं। जबकि गौशाला सोसाइटी के 2 सदस्यों भी को निष्कासित भी कर दिया गया है गौशाला के विकास की जिम्मेदारी विजय पांडेय को सौपी गई है। औषधि विभाग की देखरेख की जिम्मेदारी केके अग्रवाल, नरेंद्र शर्मा, और सुरेश गुप्ता को दी गई है। लीगल एडवाइजर धर्मेंद्र सिंह को बनाया गया है। गायों के भोजन के मानक भी तय कर दिए गए है। बड़ी गायों को 8 किलो भूसा, चूनी/दाना ढाई किलो, हरा चारा 10 किलो दिया जाएगा। जबकि बछड़ों को 4 किलो भूसा, एक किलो चूनी/दाना और 5 किलो हरा चारा दिया जाएगा। 129 साल पहले शुरू हुआ था भौति गौशाला गौशाला सोसाइटी के पूर्व महामंत्री पुरुषोत्तमाल तोषनीवाल के मुताबिक, सन 1888 में शुरू हुए इस गौशाला के 129 साल पुरे हो चुके हैं। लेकिन भौति गौशाला से जुड़ी 800 बीघा जमीन में महज 105 बीघे जमीन का ही कब्जा हो पाया है। जबकि 700 बीघा जमीन पर सीलिंग का केस गौशाला सोसाइटी और सरकार के बीच चल रहा है, जो कमिश्नरी में पेंडिंग है। गौशाला की जमीन पर बांग्लादेसी विस्थापितों को अनाधिकृत रूप से स्थानीय प्रशासन द्वारा बसा दिया गया है। इसकी जानकारी गौशाला सोसाइटी को नहीं दी गई। इनके अनुसार, साल 1977 से 1980 के बीच करीब 74 परिवार को यहां बसाया गया था। आज इन परिवारों की संख्या 400 के ऊपर पहुंच चुकी है।

आग में जिंदा जले भाई-बहन, एक हजार बीघा फसल राख

कानपुर। बांदा में आग से भाई-बहन की जलकर मौत हो गई। चपेट में आने से पिता समेत परिवार के तीन लोग झुलस गए। जनहानि के साथ चार लाख रुपये का नुकसान होने की आशंका है। वहीं आग से करीब एक हजार बीघा फसल जलकर राख हो गई।

शहर के मोहल्ला निम्नीपार निवासी लाल मोहम्मद (46) का पूरा परिवार खाना खाकर बाहर के कमरे में सो गया था। वह खुद अपने छोटे बेटे 6 वर्षीय नाजिम के साथ अंदर के कमरे में लेटा था। देर रात बेटी रजबीना (13) चीख से उसकी नींद खुल गई। पूरा परिवार आग में घिरा था। बीबी सबीना व तीन माह के मासूम को सुरक्षित निकाला। इसके बाद आग में रिजवान (17), रजबीना, तवस्सुम (19) व सरोजा (10) को बचाने में वह खुद भी जल गया। सरोजा की मौके पर ही मौत हो गई जबकि रिजवान ने अस्पताल में दम तोड़ दिया।हरदोई के कछौना और कोथावां में आग से तीन घरों के छप्पर और गृहस्थी का सामान जल गया। फतेहपुर में करीब 32 बीघा फसल राख हो गई। औरैया में करीब 30 बीघा गेहूं की फसल जल गई। फरुखाबाद में बीएसएनएल कार्यालय में आग से लाखों का प्लास्टिक पाइप जल गया। इसके अलावा अलग-अलग क्षेत्रों में 425 बीघा फसल जल गई। उरई में 20 बीघा फसल जलने की सूचना है।उत्तराखंड में जंगल की आग प्राकृतिक आपदा में शामिल वहीं कानपुर देहात में भोगनीपुर व सिकंदरा तहसील क्षेत्र में छह जगह आग लगने से 16 किसानों की 29 बीघा की गेहूं की फसल जल गई। वहीं कानपुर नगर की घाटमपुर तहसील में करीब पांच सौ बीघा फसल जल गई।

कांग्रेस के नेता डॉ. अखिलेश दास का निधन

लखनऊ । कांग्रेस के सीनयिर नेता और यूपी के पूर्व सीएम बाबू बनारसी दास के बेटे का बुधवार को दलि का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वे 61 साल के थे और केजीएमयू के कार्डियोलाजी विभाग लॉरी में भर्ती थे। बता दें, वे यूपी वधिानसभा चुनाव से पहले ही कांग्रेस में शामिल हुए थे। 1996 से 2008 तक कांग्रेस से राज्यसभा सांसद रहे बुलंदशहर के रहने वाले और लखनऊ की बाबू बनारसी दास यूनविर्सिटी (बीबीडी) के चेयरमैन अखलिेश दास यूपी बैडमिंटन एसोसिएशन के अध्यक्ष थे। वे यूपी ओलम्पिक एसोसएिशन के अध्यक्ष और इंडियन ओलम्पिक एसोसएिशन के उपाध्यक्ष थे। वे 1993 से नवंबर 1995 तक लखनऊ के मेयर भी रह चुके हैं। इसके बाद 1996 से 2008 तक वे कांग्रेस से राज्यसभा सांसद रहे। 2006 से 2008 तक केंद्रीय इस्पात मंत्री थे। चूंकि 2008 में अखलिेश की राज्यसभा सदस्यता खत्म हो रही थी, इसलएि उन्हें मंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा।कांग्रेस छोड़ बसपा में शामिल हुए, हाल में फरि ज्वाइन की थी कांग्रेस अखिलेश दास कांग्रेस छोड़कर बसपा में आ गए। 2008 से 2014 तक वे बसपा से राज्यसभा सांसद रहे। बसपा में राष्ट्रीय महासचिव पद पर भी रहे। 2014 में बसपा से राज्यसभा का टिकट न मिलने से नाराज अखिलेश ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। इस दौरान उन्होंने मायावती पर टिकट बेचने का आरोप भी लगाया था। 2014 के अंत में उन्होंने ये कहकर बसपा छोड़ दी थी कि मायावती ने दोबारा राज्यसभा सांसद बनाने के लिए उनसे 100 करोड़ रुपए की मांग की थी। इसके बाद हाल में हुए यूपी वधिानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस में शामिल हुए थे।

क्या कहा कांग्रेस नेताओं ने? कांग्रेस नेता अखिलेश प्रताप सिंह ने कहा, "इस नुकसान का आंकलन नहीं किया जा सकता है। हमें बहुत दुख हुआ है। उन्होंने बहुत कम उम्र में बहुत काम किया है। कोई उन्हें भूल नहीं पाएगा।"

दो शिक्षकों की अजब प्यार की गजब कहानी

नवादा। जिले के इंटर कॉलेज में इतिहास पढ़ानेवाली टीचर को हिंदी पढ़ाने वाले टीचर से प्यार हो गया। दोनों ने एक साथ एक ही स्कूल में नौकरी पाई थी और पहली ही नजर में दोनों एक-दूसरे को दिल दे बैठे थे। एक साल तक चले इस प्यार को अंजाम तक पहुंचाने के लिए अंततः दोनों जातीय सीमा को लांघकर मंदिर में जाकर शादी की और पवित्र बंधन में बंध गए। हिंदी पढ़ानेवाले टीचर दिनेश को इतिहास पढ़ाने वाली टीचर अनु सुमन भारती से प्यार हो गया। दिनेश को डर था कि जब वो अपने प्यार के बारे में घर बताएगा तो उसके घरवाले शादी के लिए कभी नहीं मानेंगे, क्योंकि एक तो लड़की सजातीय नहीं है और दूसरे घरवाले बिना दहेज की शादी को तैयार नहीं होंगे। अनु सुमन भारती और दिनेश के बीच पिछले एक साल से प्रेम-संबंध था। दोनों ने समाज और घरवालों के डर के कारण अपने-अपने घर में इसके बारे में कोई जानकारी नहीं दी थी और साथ एक ही घर में रह रहे थे। इसी बीच अनु सुमन और दिनेश के घरवाले दोनों की शादी के लिए लड़का और लड़की ढूंढ रहे थे। दोनों ने दो दिन पूर्व राजगीर जाकर हिन्दू रीत-रिवाज से शादी रचा ली। बता दें कि हिन्दी विषय के शिक्षक नारदीगंज बभनौली निवासी दिनेश कुमार एवं नवीन नगर मोहल्ला निवासी इतिहास के शिक्षक अनु सुमन भारती के बीच के बीच पिछले 2 वर्षों से प्रेम प्रसंग चल रहा था।

दोनों दो दिन पूर्व परिजनों को बगैर सूचित किए राजगीर में एक मंदिर में जाकर शादी कर ली। वेखबर लड़की के पिता रामचंद्र प्रसाद वर्मा ने अपने पुत्री के गुमशुदा होने की शिकायत नगर थाना में दर्ज करा दिया था। शिकायत दर्ज होने के बाद नगर थाना पुलिस खोजबीन कर रही थी। इसी क्रम में पुलिस को सूचना मिली कि लड़की नारदीगंज के बभनौली गांव में अपने सहयोगी शिक्षक के घर रह रही है। इसके बाद दोनों को वहां से लाया गया। और फिर कानूनी औपचारिकता पूरी करने के बाद घर जाने की इजाजत दे दी गई। दरअसल दोनों के शादी करने और इसका साक्ष्य प्रस्तुत करने के बाद लड़की के पिता ने प्राथमिकी कराने से इंकार कर दिया। वैसे भी दोनों बालिग थे।

15 साल की उम्र में 10 लोगों के बराबर खाना खाता है ये बच्चा

15 साल की उम्र में 10 लोगों के बराबर खाना खाता है ये बच्चा, वजन है 104 हैदराबाद. अनंतपुर जिला का रहने वाला महेश भूबति महज 15 साल की उम्र में 10 आदमी के बराबर खाना खा जाता है। ये बात सुनने में भले ही आपको अजीब लग रहा हो, लेकिन यह सच है। दरअसल, महेश रेयर बीमारी का शिकार है, जिसके कारण उसे हमेशा भूख लगी रहती है। 104 ˝ का है महेश... डॉक्टर्स का कहना है कि महेश रेयर जेनेटिक डिसॉर्डर का शिकार है, जिसके कारण उसे हमेशा भूख लगी रहती है। ज्यादा खाना खाने के कारण महेश का वजन करीब 149 पहुंच गया था। लेकिन सर्जरी होने के बाद तीन महीने में उसका करीब 45 किलो वजन कम हुआ है और अब वो 104 का है। हालांकि, डॉक्टर्स ने उसके खान-पान पर काफी रोक लगा दी है, लेकिन अभी भी महेश का नॉर्मल बच्चों से दोगुना वजन है।

डॉक्टर्स ने यह भी बताया कि फिलहाल महेश को डाइट में दूध, फल और दो अंडे हर दिन दिया जा रहा है और हफ्ते में एक बार चिकन का दो पीस भी उसे खाने में दिया जाता है। ऐसी है परिवार की हालत महेश की परिवारिक हालत अच्छी नहीं है। उसके पिता की मौत हो चुकी है और उसकी मां एक फॉर्म में काम करती है, जिसके बदले उन्हें 60 रुपए पर दिन के मिलते हैं। महेश की मां सुलोचना का कहना है कि 'हमारी हालत उतनी अच्छी नहीं है कि उसके खाना का खर्च उठा सकूं'। उनका कहना है कि महेश की जरूरतों को पूरा करने के लिए काफी कठिनाई उठानी पड़ती है। उनका कहना है कि ज्यादा वजन होने के कारण महेश को अपना काम करने में भी काफी दिक्कत होता है। महेश पूरे गांव में कार्टून कैरेक्टर 'छोटा भीम' के रूप में फेमस हैं। हाल ये है कि अपने ही गांव में वो किसी सेलिब्रिटी से कम नहीं है। सुलोचना बताती हैं कि जब लोग उसके साथ हंसी-मजाक करते हैं तो वो काफी खुश होता है। लेकिन जब लोग उसके साथ छेड़छाड़ या उसका मजाक उड़ाते हैं तो वो काफी गुस्सा हो जाता है। सर्जन ने की मदद सर्जन डॉ. रविकांत कोंगरा ने सुलोचना की परिवारिक हालत देखने के बाद उनकी मदद की। उन्होंने फ्री में महेश का इलाज करने का फैसला लिया। विजयवाड़ा के हॉस्पिटल में महेश को एडमिट कराया गया, जहां पहली सर्जरी के बाद तीन महीने में उसका 45 ह्यॅ वजन कम हुआ है और अभी करीब 49 ह्यॅ वजन कम करने की जरूरत है। डॉ. कोंगरा ने बताया कि उसकी जितनी उम्र है उस हिसाब से उसका वजन 34 होना चाहिए।

लंबी मोटरसाइकिल जिसे एक भारतीय ने बनाया

दुनिया की सबसे वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने के लिए लोग क्या कुछ नही कर गुजरते कुछ ऐसा ही किया इस शख्स ने। इस भारतीय युवक ने इतनी लम्बी मोटरसाइकिल बना डाली कि जितनी लम्बी तो बसें भी नहीं होती।

जी हाँ, विश्व की ये सबसे लम्बी मोटरसाइकिल थोड़ी बहुत नहीं, पूरे 26.29 मीटर यानी 86 फीट 3 इंच लम्बी है !

गुजरात के रहने वाले भरत सिंह परमार ने इस मोटर साइकिल का निर्माण किया है। गिनीज बुक की टीम ने जामनगर में 22 जनवरी 2014 को इस मोटरसाइकिल का परीक्षण किया था, जहां भरत सिंह ने इसे चलाकर भी दिखाया। इसके बाद इसे आधिकारिक रूप से विश्व कि सबसे लम्बी मोटरसाइकिल के रूप में मान्यता दे दी गई।

इससे पहले जो मोटरसाइकिल दुनिया की सबसे लम्बी मोटर साइकिल मानी जाती थी वो भरत की मोटरसाइकिल की तुलना में 13 फीट छोटी थी।

मुंबई हलचल राशिफल

आचार्य परमानंद शास्त्री

मेष
राजकीय कार्यों में अच्छे परिणाम मिलेंगे। तंत्र-मंत्र में रुचि बढ़ेगी। निवेश, व्यापार से लाभ होगा। यात्रा होगी।

सिंह
मस्तिष्क पीड़ा हो सकती है। लाभदायक यात्रा के योग हैं। निवेशादि लाभदायक होंगे। धन-संपत्ति के कार्य से लाभ होगा। वाहन चलाने में सतर्कता रखें।

धनु
दिन प्रसन्नता से बीतेगा। राजकीय कार्यों में गति आएगी। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। निवेशादि से लाभ तथा परीक्षा-साक्षात्कार में सफलता मिलेगी।

वृष
पुराना रोग उभर सकता है। विवादादि से क्लेश होगा। चोट-चोरी इत्यादि से हानि के योग हैं। जोखिम न उठाएं। जीवनसाथी से मतभेद होंगे।

कन्या
चोट-दुर्घटनादि से बचें। विवाद से प्रतिष्ठा हानि हो सकती है। जोखिम न उठाएं। व्यापार-व्यवसाय धीमा चलेगा।

मकर
वाहन-मशीनरी का प्रयोग सावधानी से करें। विवाद से क्लेश तथा प्रतिष्ठा हानि होगी। जोखिम न उठाएं। पूंजी निवेश करना लाभदायी रहेगा।

मिथुन
दुष्ट जनों से दूर रहें। पराक्रम वृद्धि होगी। मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। निवेशादि लाभदायक रहेंगे। संतान की चिंता रहेगी। स्थायी संपत्ति के सौदों से लाभ होगा।

तुला
अस्वस्थता रहेगी। संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। निवेश, व्यापार, नौकरी में लाभ होगा। परीक्षादि में सफलता मिलेगी। परिवार की समस्या से मन उद्वेलित रहेगा।

कुंभ
अस्वस्थता रहेगी। धनागम होगा। यात्रा से लाभ तथा निवेशादि लाभदायक रहेंगे। साक्षात्कार में सफलता मिलेगी। अधिकारी अविश्वास जाहिर कर

कर्क
मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। शुभ समाचार मिलेंगे। पराक्रम से लाभ के अवसर बढ़ेंगे। निवेश व्यापार से लाभ होगा। रोजगार में नए अनुबंध लाभकारी रहेंगे।

वृश्चिक
नई योजनाएं बनेंगी। यात्रा लाभकारी रहेगी। कार्य में रुचि बढ़ेगी। निवेश-परीक्षा, साक्षात्कार से लाभ होगा। लाभ, मान-सम्मान में वृद्धि होगी।

मीन
पुरानी बीमारी कष्ट देगी। संपत्ति के कार्यों से लाभ होगा। निवेशादि लाभ देंगे। नौकरी इत्यादि में प्रतिष्ठा बढ़ेगी। खान-पान में सावधानी बरतें।

मुंबई हलचल सुडोकू-112

8		5	9		6			7
	9	3				5		6
	4						2	
				4				5
	3	8		9		7		
7		9			1	3		
				1	9			8
		4			7			
5	1	6			2	4		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येकक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3*3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रहे।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

मुंबई हलचल सुडोकू-111

8	4	2	1	7	3	6	9	5
6	5	1	4	9	2	7	8	3
7	9	3	5	8	6	1	4	2
9	1	7	2	3	4	8	5	6
2	8	5	6	1	7	9	3	4
3	6	4	8	5	9	2	1	7
5	2	8	7	4	1	3	6	9
4	3	6	9	2	8	5	7	1
1	7	9	3	6	5	4	2	8

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

केले के छिलके से सोरायसिस का इलाज!

सोरायसिस या अपरस एक त्वचा रोग है, जो आपके शरीर के किसी भी हिस्से जैसे पीठ, गर्दन, पैरों और यहां तक मुंह को भी प्रभावित कर सकता है। यह बहुत दर्दनाक रोग हैं।सोरायसिस की समस्या होने पर त्वचा पर लाल रंग के परतदार पैच हो जाते हैं और इससे रोग से प्रभावित जगह पर खुजली होने लगती हैं। इस तरह का रोग होने पर तुरंत डॉक्टर की सलाह ले। आप चाहे तो घर में भी इसका घरेलू उपचार करके देख सकते है। जी हां, आज हम आपको केले के छिलके से इस रोग का घरेली इलाज बताएंगे, जिससे काफी हद तक आराम मिलेगा। इस पेस्ट को बनाने के लिए कुछ केले के छिलको तो छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। अब इन ब्लेंडर में पीसकर पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट में तारकोल मिला लें। फिर इसे प्रभावित जगह पर लगाकर रगड़े और आधे घंटे तक ऐसे ही रहने दें।

संबंध बनाने से अच्छी रहती है सेहत

एक जमाना था जब लोग शारीरिक संबंध बनाने को अच्छा नहीं समझते थे। आजकल साइंस ने बहुत तरक्की कर ली है और यह बात साबित हो चुकी है कि सैक्स औरत-पुरूष के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी हैं। आइए जानते है शारिरिक संबंध किन-किन कारणों से जरूरी है।

1. सर्दी,फ्लू और पेट का खतरा कमः *एक शोध में पता चला हैं कि अगर पति-पत्नि हफ्ते में 2 बार शारीरिक संबंध बनाते हैं तो इससे सर्दी,फ्लू और पेट की बीमारियों का खतरा कम हो जाता है। अगर वहीं कपल्स हफ्ते में 3 से ज्यादा बार संबंध बनाते हैं तो इससे बीमार होने का खतरा बढ़ सकता है।*

2. अच्छा रहता है मूडः *पती-पत्नि के बीच शारिरिक संबंध बनाने के बाद रक्त संचार बढता है और ऑक्सीटॉसिन नाम के रसायन की उत्पत्ति होती है। जिससे मूड अच्छा रहता है।*

3. मोटापे का खतरा कमः *शारिरिक संबंध बनाने से 100 से 250 कैलरी बर्न होती है। इससे मोटापे का खतरा कम हो जाता है।*

4. डिलीवरी के दर्द से राहतः *पति-पत्नी अगर नियमित रूप से शारीरिक संबंध बनाते हैं तो इससे प्राइवेट पार्ट की मांसपेशियों में चिकनाहट पैदा होती है। जिससे डिलीवरी के समय परेशानी कम होती है।*

5. प्रैग्नेंसी में होने वाली परेशानी दूरः *एक शोध के मुताबिक जो औरतें लंबे समय तक सैक्स से दूर रहती हैं। उनको प्रैग्नेंसी में बहुत परेशानियां आती हैं।*

6. पीरियड्स की तकलीफ दूरः *सैक्स करने से शरीर में एस्ट्रोन की मात्रा ठीक हो जाती है, जिससे पीरियड्स में होने वाली ब्लीडिंग की परेशानी कम हो जाती है।*

7. सूंघने की शक्तिः *सैक्स के दौरान फेरामोन्स की तलाश करने के लिए नाक ज्यादा संवेदनशील हो जाता है। जिससे नाक की पेशियों में खून का दौरा बढ़ता है और सूंघने की शक्ति मजबूत हो जाती है।*

8. लंबी उम्र का राजः *शारीरिक संबंध में लंबी उम्र का राज छिपा है। शोध के मुताबिक सहवास से मिलने वाली संतुष्टि से तनाव कम हो जाता है। इससे मानसिक सुख मिलता है,जिसका असर हमारी उम्र पर पड़ता है।*

9. सैक्स से रहते हैं जवानः *10 साल लगातार किए गए शोध के मुताबिक यह बात सामने आई है कि बढ़ती उम्र में भी जवान दिखाई देने के पीछे के कारण शारिरिक संबंध है।*

आपकी इन गलत आदतों से हो सकती है किडनी खराब!

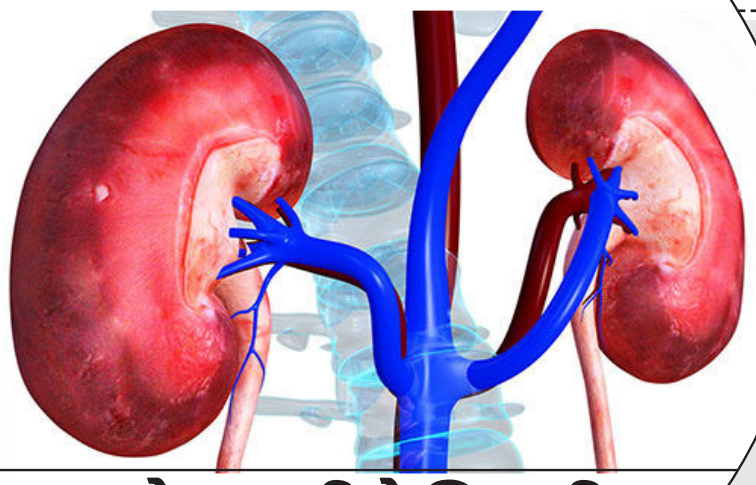

किडनी का हमारे शरीर में बहुत महत्व होता हैं। किडनी हमारे शरीर के कई महत्वपूर्ण कार्य करती हैं लेकिन हमारी कुछ गलत आदतें किडनी को नुकसान पहुंचाती है। किडनी खराब होने पर कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे में बहुत जरूरी है कि आप अपनी आदते बदलें। आए जाने इन गलत आदतों के बारे में...

अधिक नमक का सेवन करना

कुछ लोग नमक का बहुत अधिक सेवन करते हैं जिसका सीधा असर किडनी पर पड़ता है। शरीर में सोडियम की मात्रा अधिक होने से ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है जिसके किडनी पर जोर पड़ता है।

यूरिन को रोकना

अगर आप यूरीन को रोक कर रखते हैं तो इस आदत को छोड़ दें। आपकी इस आदत के कारण किडनी फेल हो सकती है या फिर किडनी में स्टोन होने की समस्या हो सकती है।

नींद कम लेना

नींद कम लेने से भी किडनी की समस्या हो सकती है। नींद कम लेने से मेटाबॉलिज्म प्रभावित होता है।

कम पानी पीना

अगर आप दिन भर में पानी का सेवन कम करते हैं तो आपको कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में हानिकारक टॉक्सिन्स छनने की बजाए शरीर में ही इकट्ठा होने लगते है जिसके कारण किडनी फैल भी हो सकती है।

अधिक मीठे का सेवन करना

अधिक मिठाई का सेवन करने से यूरिन से प्रोटीन निकलने लगता है, जिससे किडनी खराब होने लगती हैं।

कम उम्र में हो रहीं ये समस्याएं

महिलाएं स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही बरत रही हैं। शिक्षित होते हुए भी ज्यादातर महिलाएं खान-पान और रहन सहन के प्रति सजग नहीं हैं। नतीजतन कम उम्र में ही उन्हें वे बीमारियां हो रही हैं, जो अधिक आयुवर्ग में होती हैं। सर्वे में सामने आया है कि करीब 52 प्रतिशत महिलाओं में विटामिन-ई की कमी है। वहीं 78 प्रतिशत महिलाएं कैल्शियम की कमी से पीड़ित हैं। यह सर्वे गणगौरी अस्पताल में किया गया है। दरअसल, हड्डियों व दांतों के विकास और उन्हें स्वस्थ रखने के लिए कैल्शियम बहुत जरूरी है। खून का थक्का और मांसपेशियों व तंत्रिकाओं की सही कार्यप्रणाली भी कैल्शियम पर ही निर्भर है।

कैंसर रोकने में प्रभावी है बथुआ

पोषक तत्त्वों के आधार पर आयुर्वेद में बथुए को सभी के लिए हितकर माना गया है। अथर्ववेद में इसे बवासीर रोग में लाभकारी और कृमिनाशक (पेट के कीड़ों को नष्ट करने वाला) बताया गया है। आहार के साथ इसमें कई औषधीय गुण भी पाए जाते हैं। जानिए इसके फायदे-

कैंसर रोकने में प्रभावी

एक शोध के मुताबिक बथुए की पत्तियों से निकले रस का प्रयोग एंटी-ब्रेस्ट कैंसर में बायो एजेंट के रूप में किया जाता है। यह कैंसर की कोशिकाओं की वृद्धि को रोकता है।

पथरी में लाभदायक

जोड़दर्द की समस्या होने पर इसके बीजों का काढ़ा बनाकर पीने से काफी राहत मिलती है। इसके अलावा पथरी की समस्या में इसके पत्तों को उबालकर छानें व पीएं। पेट के रोगों, आंतों में संक्रमण और यूरिक एसिड बढ ` की स्थिति में बथुए के साग का प्रयोग फायदेमंद रहता है। पीलिया होने पर बथुए के रस को गिलोय के रस के साथ मिलाकर पीने से स्थिति सामान्य होती है। महिलाओं में अनियमित माहवारी या इस दौरान अत्यधिक दर्द हो तो इसके बीजों का काढ़ा सोंठ मिलाकर पीएं।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

वेस्टइंडीज को मात देकर भारत से यूं आगे निकल गया PAK

पाकिस्तान और वेस्टइंडीज के बीच चल रहे 3 मैचों की वनडे सीरीज के तीसरे और आखिरी मुकाबले में पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज को 6 विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ ही पाक ने सीरीज पर भी कब्जा कर लिया है। पाकिस्तान ने इस मैच को जीतने के बाद वनडे क्रिकेट में एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। वनडे क्रिकेट के इतिहास में पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया के बाद दूसरी सबसे ज्यादा मैच जीतने वाली टीम बन गई है। इससे पहले सबसे ज्यादा वनडे मैच जीतने वालों की लिस्ट में भारतीय टीम दूसरे पायदान पर थी। भारत ने वनडे क्रिकेट के इतिहास में अबतक 907 मैच खेले हैं जिसमें 459 मैचों में उसे जीत हासिल हुई। वहीं पाकिस्तान ने 460 वनडे जीत के साथ इस लिस्ट में भारत को पछाड़ कर दूसरे पायदान पर काबिज होने में कामयाबी हासिल की है। पाकिस्तान ने अब तक 874 वनडे मैच खेले हैं। गौरतलब है कि सबसे ज्यादा वनडे मैच जीतने वालों की लिस्ट में ऑस्ट्रेलियन टीम सबसे ऊपर बनी हुई है। ऑस्ट्रेलिया ने अब तक 554 वनडे मैचों में फतह का झंडा लहराया है।

आखिर हो गया तय कि क्रिस लिन कोलकाता के लिए बाकी मैच खेंलेंगे या नहीं?

कोलकाता, कोलकाता नाइट राइडर्स के मुख्य कोच जाक कैलिस ने आज कहा कि टीम के सलामी बल्लेबाज क्रिस लिन इंडियन प्रीमियर लीग के मौजूदा सत्र से बाहर नहीं हुए है। लिन के कंधे में 18 महीने में तीसरी बार चोट लगी है लेकिन शुरूआती जांच में स्कैन में किसी गंभीर चोट का खुलासा नहीं हुआ है जैसी कि आशंका जताई जा रही थी।

कैलिस ने किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ होने वाले पहले घरेलू मैच की पूर्व संध्या पर कहा, ह्यह्ययह उतनी बुरी नहीं है जितनी हमने सोची थी। हमारा मेडिकल स्टाफ कड़ी मेहनत कर रहा है जिससे कि जल्द से जल्द उसे तैयार किया जा सके। अच्छी संभावना है कि वह इस सत्र में हमारे लिए अब भी भूमिका निभा सकता है।ह्लह्ल लिन हालांकि कल के मैच में नहीं खेल पाएंगे और उनकी जगह बांग्लादेश के आलराउंडर साकिब अल हसन को खिलाया जा सकता है।

इस वजह से T-20 में धोनी का हुआ डोप टैस्ट

नई दिल्ली, इंदौर में 8 अप्रैल को पंजाब और पुणे के बीच हुए मुकाबले के बाद टीम इंडिया के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी का डोप टैस्ट किया गया। इस डोप टैस्ट को करवाने के लिए डोप टैस्ट लेने वाली एजेंसी को करीब एक घंटे तक इंतजार करना पड़ा और मैच के खत्म होने के बाद धोनी के यूरिन का सेंपल लिया गया। दरअसल, वाडा ने चैंपियंस ट्रॉफी से पहले सभी खिलाड़ियों का डोप टैस्ट करने का निर्देश दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एजेंसी ने धोनी को कुछ लिक्विड लेने के निर्देश भी दिए। उस निर्देश के करीब एक घंटे बाद जांच एजेंसी धोनी का यूरिन सैंपल ले पाई। डोप टैस्ट करने के लिए डोपिंग निरोधक एजेंसी पर्ची के माध्यम से खिलाड़ियों का चयन करती हैं। दोनों टीमों के सभी खिलाड़ियों के नाम से पर्चियां तैयार की जाती है और फिर दोनों टीमों से दो-दो खिलाड़ियों की पर्चियां चुनी जाती हैं। उन्हीं चयनित खिलाड़ियों का डोप टेस्ट होता है।

सिंगापुर ओपन के दूसरे दौर में पहुंची सिंधू

सिंगापुर, ओलिंपिक रजत पदक विजेता पी वी सिंधू ने आल इंग्लैंड 2016 चैम्पियन जापान की नोजोमी ओकुहारा को हराकर सिंगापुर ओपन बैडमिंटन के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया। इस महीने की शुरूआत में पहला इंडिया ओपन सुपर सीरिज खिताब जीतने वाली सिंधू ने महिला एकल मैच के पहले दौर में 10।21, 21।15, 22।20 से जीत दर्ज की। अब वह इंडोनेशिया की फित्रियानी फित्रियानी से खेलेगी।

सैयद मोदी ग्रां प्री उपविजेता बी साइ प्रणीत ने डेनमार्क के एमिल होस्ट को 17।21, 21।7, 21।19 से हराया। अब वह चीन के कियाओ बिन से खेलेंगे।अश्विनी पोनप्पा और एन सिक्की रेड्डी ने मलेशिया के यिन लू लिम और याप येंग वेन को 21।19, 21।19 से हराया। सौरभ और समीर वर्मा तथा रितुपर्णा दास एकल वर्ग में हार गए। राष्ट्रीय चैम्पियन सौरभ को इंडोनेशिया के एंथोनी सिनिसुका जिंटिंग ने 21।15, 21।14 से हराया। वहीं सैयद मोदी ग्रां प्री विजेता समीर को हांगकांग के हू युन ने 28।26, 23।21 से मात दी। चीनी ताइपै की सू या चिंग ने रितुपर्णा को 21।18, 21।13 से मात दी। मिश्रित युगल में सात्विक साइराज आर और मनीषा के को चीनी ताइपै के लू चिंग याओ और चियांग केइ सिन के हाथों 13।21, 21।16, 11।21 से पराजय झेलनी पड़ी। वहीं पुरूष युगल में मनु अत्री और बी सुमीत रेड्डी जापान के ताकेशी कामुरा और केइगो सोनोडा से 8।21, 16।21 से हार गए।

डार्टमंड फुटबॉल टीम की बस में विस्फोट, स्टार खिलाड़ी को लगी गंभीर चोट

डार्टमंड, मोनाको के खिलाफ चैम्पियंस लीग मैच खेलने जा रही बोरूशिया डार्टमंड फुटबाल टीम की बस में 3 विस्फोट हो गए जिसमें स्पेन के अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी मार्क बारतरा घायल हो गए। बारतरा को कलाई में चोट लगी क्योंकि बस की खिड़की के कांच उन्हें लग गए थे। इस विस्फोट की वजह से आज क्वार्टर फाइनल मैच स्थगित करना पड़ा। क्लब ने कहा कि खिलाड़ी स्तब्ध लेकिन सुरक्षित हैं। वेस्टर्न जर्मनी के पुलिस प्रमुख ग्रेगोर लांगे ने कहा कि यह संगठित आतंकी हमला नहीं लग रहा है। स्थानीय अभियोजकों ने कहा कि विस्फोट के पास मौके से एक पत्र बरामद हुआ है। उन्होंने कहा कि इसकी प्रामाणिकता की जांच की जा रही है।बस दस किलोमीटर दूर स्थित बोरूशिया स्टेडियम जा रही थी। विस्फोट से बस की खिड़कियां टूट गई और बस दाहिने ओर से जल गई। डार्टमंड के सीईओ हैंस जोकिम वाज्के ने कहा कि पूरी टीम स्तब्ध है। इस तरह की याद जल्दी नहीं मिटती। लंबे समय तक यह जेहन में रहेगा। मैच अब आज शाम 6।45 (स्थानीय समयानुसार) खेला जाएगा।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

दबंग 3 की कहानी लिख रहे हैं सलमान

बॉलीवुड के जाने माने अभिनेता सलमान खान फिल्म दबंग 3 की कहानी लिख रहे हैं। बॉलीवुड फिल्मकार और सलमान खान के भाई अरबाज खान अपनी सुपरहिट फिल्म दबंग का तीसरा संस्करण बनाने जा रहे हैं। अरबाज खान ने बताया कि 'टाइगर जिंदा है' की शूटिंग खत्म होते ही 'दबंग 3' के प्री प्रॉडक्शन का काम शुरू कर दिया जाएगा। अरबाज खान का कहना है कि फिल्म के मुख्य लेखक दिलीप शुक्ला ने 'दबंग 3' ने जो कहानी लिखी है उस कहानी में सलमान खान ने काफी इनपुट दिए हैं, इसलिए हम सोच रहे हैं कि सलमान की कहानी और आइडिया पर ही 'दबंग 3' का निर्माण किया जाए। 'दबंग 3' को लेकर अरबाज का कहना है कि इस फिल्म में काफी कुछ बदलाव किया जाएगा। फिल्म के निर्देशन को लेकर अभी कुछ तय नहीं है कि इसका निर्देशन कौन करेगा। अरबाज का कहना है कि कहानी के मुताबिक तो फिल्म में सोनाक्षी को होना चाहिए लेकिन यह भी तय है कि इस फिल्म में दो हीरोइन होंगी जिसका चुनाव अभी किया जाना है।'दबंग 3' के अन्दर 5 गाने तो जरूर होंगे क्योंकि यह एक म्यूजिकल फिल्म है इसके बाद 3 से 4 एक्शन सीन होने भी जरूरी है। 'दबंग' में दर्शक रोमांस, कॉमिडी, एक्शन और गाने देखने आते हैं और हम इन्ही सब चीजों की तैयारी कर रहे हैं।

टीवी शो से धमाकेदार वापसी करेंगे सुनील ग्रोवर

कॉमेडियन सुनील ग्रोवर के फैंस के लिए बड़ी राहत भरी खबर है कि सोनी टीवी पर ही सुनील ग्रोवर का नया शो आ सकता है। सोनी टीवी खुद सुनील ग्रोवर के शो में दिलचस्पी दिखा रहा है। सुनील नए कॉन्सेप्ट पर एक नया टीवी शो प्लान कर रहे हैं।, सूत्रों की मानें तो सुनील का शो जून से टेलिकास्ट हो सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक चैनल ने कपिल को सब कुछ ठीक करने के लिए 1 महीने का टाइम दिया है। अगर कपिल ने सब ठीक कर दिया, तो चैनल शो को आगे बढ़ाने के बारे में सोचेगा। वरना हाल ही में आ रही शो की टीआरपी के मुताबिक शो को बंद करने की नौबत आ सकती है।

बॉलीवुड में फिर से काम करेंगी प्रियंका

जानी-मानी अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा एक बार फिर से बॉलीवुड में काम करने जा रही है। प्रियंका चोपड़ा पिछले दो साल से हॉलीवुड में सक्रिय हैं। इंटरनेशनल टीवी शो क्वांटिको की सक्सेस के बाद अब इन्हें घर-घर में पहचाना जाना जाने लगा है। वहीं, उनकी हॉलीवुड डेब्यू बेवाच भी कुछ ही टाइम में रिलीज होने वाली है। प्रियंका का अभी बॉलीवुड छोडने का कोई मन नहीं है। प्रियंका जल्द ही बॉलीवुड में कमबैक करने वाली हैं। प्रियंका चोपड़ा के प्रोडक्शन हाऊस ने पिंकमूवी के डायरेक्टर अनिरुद्ध रॉय चौधरी को साइन किया है। ऐसा माना जा रहा है कि प्रियंका भी इस फिल्म का हिस्सा हो सकती हैं। हालांकि, इसका ऑफिशयल अनाउंसमेंट प्रियंका के अमेरिका से लौटने के बाद ही किया जाएगा कि वो फिल्म में कैमियो करेंगी या लीड रोल।

गिरते-गिरते बची सोनाक्षी

एक्ट्रैस सोनाक्षी सिन्हा हाल ही में नच बलिए के सैट पर पहुंची थी जहां वह अपनी आने वाली फिल्म को प्रमोट करने पहुंची थीं। जहां बहुत ही अजीब सी स्थिति का सामना करना पड़ा। दरअसल, वे वैनिटी वैन में सवार होने ही जा रही थीं कि तभी उनका बैलेंस बिग

मालदीव में वेकेशन एन्जॉय कर रही हैं 'बेबी डॉल' की सिंगर

बॉलीवुड में मशहूर 'बेबी डॉल' गाने की सिंगर कणिका कपूर इन दिनों मालदीव में अपनी फैमिली के साथ छुट्टियां मना रही हैं। कणिका कपूर अपने तीनों बच्चों के साथ-साथ अपने माता-पिता और बेस्ट फ्रैंड के साथ एन्जॉय कर रही हैं। उन्होंने अपनी कई फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं, जिनमें कणिका अपने बच्चों और फ्रैंडस के साथ बीच पर मस्ती करती नजर आ रही हैं और एडवेंचर स्पोर्ट्स का मजा ले रही हैं। कणिका तीन बच्चों की मां हैं, उनकी दो बेटियां अयाना, समारा और एक बेटा युवराज हैं। कणिका अपने तीनों बच्चों को अकेले पाल रही हैं। 1997 में कणिका की शादी ठफक बिजनेसमैन राज चंडोक से हुई थी। उनकी शादी ज्यादा देर चल नहीं सकी और 2012 में दोनों तलाक लेकर अलग हो गए।